■ श्रावण कृष्ण - 11 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 351 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 21-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भाषण नहीं, नौकरी चाहते हैं युवा : राहुल
6 देश विरोधी गहरी साजिश है छांगुर बाबा का धर्मांतरण जाल!
7 युवा चाहते हैं नया और अनोखा कंटेंट : अंजुम फकीह

फर्स्ट टेक

नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन से 11 राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध

काठमांडू/भाषा। नेपाल में शनिवार से लगातार हो रही बारिश के बाद आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण 11 राष्ट्रीय राजमार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गए हैं, जिससे दूरदराज के पहाड़ी इलाकों में दैनिक जनजीवन प्रभावित हुआ। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। जल विज्ञान एवं मौसम विज्ञान विभाग द्वारा 21 जुलाई तक देशभर में भारी वर्षा के पूर्वानुमान के मद्देनजर, नेपाल के स्वतंत्र विद्युत उत्पादक संघ ने सभी जल विद्युत परियोजनाओं से संभावित मानवीय एवं भौतिक नुकसान को न्यूनतम करने के लिए हाई अलर्ट पर रहने का आग्रह किया है।

तकनीकी खराबी के कारण दिल्ली जाने वाली एअर इंडिया की उड़ान रद्द

रांची/भाषा। दिल्ली जाने वाले एअर इंडिया की उड़ान को तकनीकी खराबी के कारण रविवार को रद्द कर दिया गया जिसके बाद रांची हवाई अड्डे पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया । अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। यात्रियों को उड़ान के समय के पुनर्निर्धारण को लेकर एयरलाइन के कर्मचारियों से तीखी बहस करते हुए देखा गया। हवाई अड्डे के निदेशक आर आर मौर्य ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''रांची से दिल्ली जाने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस उड़ान को तकनीकी खराबी के कारण रद्द कर दिया गया। विमान के उड़ान भरने से पहले इस तकनीकी गड़बड़ी का पता चला।''

700 सूडानी प्रवासियों को लीबिया ने निर्वासित किया

काहिरा/एपी। पूर्वी लीबिया के प्राधिकारियों ने सैकड़ों सूडानी लोगों को उनके युद्धग्रस्त देश वापस भेज दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि यह कार्रवाई लीबिया के रास्ते यूरोप जाने की कोशिश कर रहे लोगों को रोकने के लिए की गई है। देश के अवैध प्रवासन रोधी निदेशालय ने एक बयान में बताया कि हाल में मध्य और दक्षिण-पूर्वी लीबिया में हिरासत में लिए गए 700 सूडानी नागरिकों को शुक्रवार को जमीनी रास्ते से सूडान भेज दिया गया। बयान में बताया गया है कि निर्वासित किए गए कुछ लोग हेपेटाइटिस और एड्स जैसी संक्रामक बीमारियों से पीड़ित थे। कुछ अन्य लोगों को या तो आपराधिक मामलों में दोषसिद्धि या ''सुरक्षा कारणों की वजह से निर्वासित किया गया है। यह निर्वासन पूर्वी लीबिया में मानव तस्करी के खिलाफ जारी अभियान का हिस्सा है। पूर्वी लीबिया में शक्तिशाली सैन्य कमांडर खलीफा हफ्तार की सेना का नियंत्रण है।

सूर्यास्त	सूर्योदय
21-07-2025	22-07-2025
6:38 बजे	5:52 बजे

BSE	NSE
81,757.73	24,968.40
(-501.52)	(-143.05)

सोना	चांदी
10,284 रु.	127,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

नेताओं को एक-दूसरे के प्रति अभद्र भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ एक समृद्ध लोकतंत्र निरंतर कटुता का माहौल बर्दाश्त नहीं कर सकता... जब आप राजनीतिक कटुता पाते हैं, जब आप राजनीतिक माहौल को एक अलग दिशा में पाते हैं, तो आपका मन विचलित होना चाहिए। मैं देश के सभी लोगों से आग्रह करता हूँ कि राजनीतिक तापमान को कम किया जाना चाहिए।

नई दिल्ली/भाषा। संसद का मानसून सत्र शुरू होने से एक दिन पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राजनीतिक दलों के बीच सौहार्द और परस्पर सम्मान का आह्वान करते हुए कहा है कि नेताओं को एक- दूसरे के प्रति अभद्र भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

धनखड़ ने रविवार को यहां राज्यसभा इंटर्नशिप प्रोग्राम के आठवें बैच के प्रतिभागियों के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि एक राजनीतिक दल के नेताओं द्वारा दूसरे दलों के नेताओं द्वारा अभद्र भाषा का इस्तेमाल किए जाने से संस्कृति का भला नहीं होता। उन्होंने कहा, मैं राजनीतिक जगत के सभी लोगों से अपील करता हूँ कि कृपया परस्पर सम्मान रखें। कृपया टेलीविजन पर या किसी भी पार्टी के नेतृत्व के विरुद्ध अभद्र भाषा का प्रयोग न करें। यह संस्कृति हमारी सभ्यता का सार नहीं है। हमें अपनी भाषा के प्रति सावधान रहना होगा... व्यक्तिगत हमलों से बचें। मैं राजनेताओं से अपील करता हूँ। अब समय आ गया है कि हम राजनेताओं को गालियाँ देना बंद करें। जब विभिन्न राजनीतिक दलों में लोग दूसरे राजनीतिक दलों के वरिष्ठ लोगों को गालियाँ देते हैं, तो इससे हमारी संस्कृति का भला नहीं होता।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि उनका मानना है कि सभी राजनीतिक दल और प्रत्येक सांसद राष्ट्रवादी है। उन्होंने कहा, अंततः वह राष्ट्र में विश्वास करते हैं। वह राष्ट्र की प्रगति में विश्वास करते हैं... लोकतंत्र कभी भी ऐसा नहीं होता जहाँ एक ही पार्टी सत्ता में आए। हमने अपने जीवनकाल में देखा है कि परिवर्तन राज्य स्तर पर, पंचायत स्तर पर, नगरपालिका स्तर पर होता है, यह एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया है। लेकिन एक बात निश्चित है, विकास की निरंतरता, हमारी सभ्यतागत लोकाचार की निरंतरता होनी चाहिए, और यह केवल एक पहलू से आती है। हमें लोकतांत्रिक संस्कृति का सम्मान करना चाहिए।धनखड़ ने राजनीतिक टकराव को कम करने की अपील करते हुए कहा कि राजनीति कभी भी एकतरफा नहीं हो सकती।

कर्नाटक के बंटवाल में पुलिस उप निरीक्षक ने आत्महत्या की

मंगलुरु (कर्नाटक)/भाषा। बंटवाल में कार्यरत 55 वर्षीय पुलिस उप निरीक्षक ने रविवार को कथित तौर पर व्यक्तिगत और वित्तीय तनाव के कारण आत्महत्या कर ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मृतक की पहचान उत्तर कन्नड़ जिले के कारवार के रहने वाले पीएसआई खीरप्पा के रूप में हुई है और वह चार महीने से बंटवाल ग्रामीण पुलिस थाने में तैनात थे। अधिकारियों ने बताया कि बंटवाल स्थित अपने किराये के घर में फांसी लगाकर आत्महत्या करने से पहले खीरप्पा ने अपने परिवार के सदस्यों से अपनी परेशानी के बारे में बात की थी। वह 19 जुलाई को रात्रि गश्त ड्यूटी से लौटे थे। अगले दिन जब पुलिस थाने से फोन आने पर भी उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया तो खीरप्पा के सहकर्मी उनके घर पहुंचे और वहां उनका शव पाया। बंटवाल ग्रामीण पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है और विस्तृत जांच जारी है।

कांग्रेस ने मांग की कि

पहलगाम हमले और ट्रंप के दावों पर प्रधानमंत्री संसद में जवाब दें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को मांग की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पहलगाम हमले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संघर्षविराम के दावों और बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विभिन्न मुद्दों पर संसद के मानसून सत्र के दौरान चर्चा का जवाब देना चाहिए।

लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने कहा कि सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में विपक्षी दलों को प्रमुख मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगने का अवसर मिलेगा।

मानसून सत्र की पूर्व संध्या पर सर्वदलीय बैठक में भाग लेने के बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''हमें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी संसद में पहलगाम हमले और वहां की खुफिया विफलता जैसे प्रमुख मुद्दों पर राष्ट्र को संबोधित करेंगे। यह भी जरूरी है कि हम संसद में अपने सशस्त्र बलों का समर्थन करें और उन्हें धन्यवाद दें।'' गोगोई ने कहा कि प्रधानमंत्री को अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के बयानों पर भी प्रकाश डालना चाहिए, जिन्होंने अपने दावों से भारत के गौरव और उसके सशस्त्र बलों पर उंगली उठाई है, और केवल भारत के प्रधानमंत्री ही इसका जवाब दे सकते हैं।

उन्होंने कहा, ''इन मुद्दों पर जवाब देना प्रधानमंत्री की नैतिक जिम्मेदारी है। हमें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री अपना नैतिक कर्तव्य निभाएंगे।''

गोगोई ने कहा कि बिहार की एसआईआर पर उठे सवाल और निर्वाचन आयोग द्वारा जवाब न देना, भविष्य के चुनावों पर उंगली उठाता है। उन्होंने कहा, ''संसद में सरकार का रुख स्पष्ट करना प्रधानमंत्री का कर्तव्य है।''

कांग्रेस नेता ने कहा कि कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने चीन और पाकिस्तान से दोहरे खतरे का मुद्दा उठाया है और इस पर संसद में चर्चा होनी चाहिए।

संसद सुचारू रूप से चलाना सबकी जिम्मेदारी : रिजिजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने कहा है कि संसद को सुचारू रूप से चलाना राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है और वैविचारिक विविधता के बावजूद सभी दलों को इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

संसद का मानसून सत्र शुरू होने से पहले सरकार की तरफ से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को यहां संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा, सर्वदलीय बैठक में आज विभिन्न दलों के 54 सदस्यों ने भाग लिया। यह बैठक बहुत सकारात्मक रही और सदस्यों ने सकारात्मक रूप से ही अपने विचार प्रस्तुत किए। सभी दलों के नेताओं ने सुझाव दिए और सरकार ने उन सभी की सुझाव को नोट कर लिया है। सभी दलों के नेताओं से अनुरोध किया गया है कि मानसून सत्र उत्पादकता पूर्ण रहे ,यह सभी को सुनिश्चित करना चाहिए। संसद सत्र का शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संचालन महत्वपूर्ण है। हम अलग-अलग दलों और अलग-अलग विचारधाराओं से हो सकते हैं लेकिन संसद को सफलतापूर्वक चलाना सभी की ज़िम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी दलों की बात ध्यान से सुनी और उस पर ध्यान दिया है। सदन को सुचारू रूप से चलाने के लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष को अच्छे समन्वय के साथ काम करना चाहिए। श्री रिजिजू का कहना था कि राजनीतिक दल अलग-अलग विचारधारा के हो सकते हैं और यह स्वाभाविक है लेकिन संसद चलती रहे यह सबकी जिम्मेदारी है। संसद चलाना जितनी सरकार की जिम्मेदारी है उतना ही जिम्मेदार विपक्ष भी है।

उन्होंने कहा कि कम सांसदों वाले दलों की मांग रहती है कि उन्हें बोलने का संसद में पर्याप्त समय नहीं दिया जाता है। उन्होंने कहा कि भले ही संसद में संख्या के हिसाब से सदस्यों को बोलने का मौका दिया जाता है लेकिन सरकार का प्रयास रहेगा कि जिन दलों के एक दो सदस्य हैं उन्हें बोलने का पर्याप्त मौका मिले इसके लिए सरकार की तरफ से पहल की जाएगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा,एक, दो सांसदों वाले दलों को बोलने के लिए कम समय मिलता है क्योंकि समय उनकी संख्या के अनुसार आवंटित किया जाता है। लेकिन हमने इसे संज्ञान में लिया है और छोटे दलों को पर्याप्त समय आवंटित करने पर सहमत हुए हैं।

प्रिया मलिक ने 76 किग्रा फ्रीस्टाइल में जीता रजत पदक

बुडापेस्ट/भाषा। दो बार की वर्ल्ड कैडेट्स चैंपियन प्रिया मलिक ने पॉलीक इमरे और वर्गा जानोस मेमोरियल 2025 कुश्ती टूर्नामेंट में महिलाओं की 76 किग्रा फ्रीस्टाइल कैटेगरी में रजत पदक जीता। हंगरी के बुडापेस्ट में शनिवार को खेले गये फाइनल मुकाबले में भारत की प्रिया मलिक को ब्राजील की थामिरेस मार्टिन्स माचाडो के खिलाफ 4-3 के बेहद करीबी अंतर से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय पहलवान ने टूर्नामेंट की शुरुआत क्वार्टरफाइनल में रियो 2016 ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कजाकिस्तान की एलमिरा सिजदिकोवा को 7-2 से हराकर की। इसके बाद उन्होंने सेमीफाइनल में वैलेरिया ट्रिफोनोवा पर 11-1 की जबरदस्त जीत दर्ज की।

नशा मुक्त अभियान का आधार बनें आध्यात्मिक संस्थाएं : मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ अगर एक ऐसा राष्ट्र जहां 65 प्रतिशत युवा आबादी मादक पदार्थों का शिकार हो जाती है, उसमें जो नौजवान इससे मुक्त होंगे केवल वे ही भविष्य का निर्माण कर पाएंगे।

वाराणसी (उप्र)/भाषा। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को कहा कि आध्यात्मिक संस्थाओं को 'विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा' बनाने में अग्रणी भूमिका निभाते हुए नशा मुक्ति अभियान का आधार बनना चाहिए।

मांडविया वाराणसी में 'विकासशील भारत के लिए नशा मुक्त युवा' विषय पर आयोजित युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में 'काशी घोषणापत्र' को औपचारिक रूप से अंगीकार किया गया।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, युवा मामले एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में 600 से अधिक युवा नेता, 120 से अधिक आध्यात्मिक और सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों और क्षेत्र विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया।

केंद्रीय मंत्री मांडविया ने इस अवसर पर कहा, भारत की आध्यात्मिक शक्ति ने हमेशा संकट के समय में भारत का मार्गदर्शन किया है। इसलिए आध्यात्मिक संस्थाओं को अब विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा बनाने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। वे इस महाअभियान का आधार बनेंगे।

उन्होंने कहा, हमने पिछले तीन दिनों में विविध विषयगत सत्रों में गहन चिंतन किया है। इस सामूहिक चर्चा के आधार पर काशी घोषणापत्र का जन्म हुआ है, जो न केवल एक दस्तावेज़ के रूप में, बल्कि भारत की युवा शक्ति के लिए एक साझा संकल्प के रूप में भी है।

बयान के मुताबिक, औपचारिक रूप से स्वीकृत काशी घोषणापत्र इस बात की पुष्टि करता है कि मादक द्रव्यों का सेवन एक बहुआयामी जन स्वास्थ्य और सामाजिक चुनौती है, जिसे लेकर राष्ट्रीय स्तर पर सहमति बन चुकी है। साथ ही समग्र सरकार और समग्र समाज दृष्टिकोण का आह्वान करता है।

ओडिशा में आग से झुलसी पीड़िता को विमान से एम्स दिल्ली ले जाया गया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के पुरी जिले में तीन बदमाशों द्वारा आग के हवाले की गई 15 वर्षीय लड़की को रविवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भुनवेश्वर से विमान के जरिए दिल्ली ले जाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। लड़की को दिल्ली ले जाए जाने के तुरंत बाद, ओडिशा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वाई बी खुरानिया पुरी जिले के बलंगा इलाके में भार्गवी नदी के किनारे स्थित घटनास्थल का दौरा करने गए। खुरानिया ने बलंगा में संवाददाताओं से कहा, जांच एक संवेदनशील चरण में पहुंच गई है और हम जल्द ही घटना का ब्यौरा दे पाएंगे। विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) द्वारा 48 घंटे के भीतर अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए बलंगा थाने का घेराव करने तथा भुवनेश्वर से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध करने की चेतावनी देने के बाद डीजीपी ने घटनास्थल का दौरा किया। महिला बीजद नेता और पूर्व मंत्री तुकुनी साहू ने आरोप लगाया कि घटना के 36 घंटे बाद भी पुलिस आरोपियों के बारे में कोई सुराग नहीं लगा पाई है। इससे पहले, लड़की को एम्स भुवनेश्वर से बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक ले जाने के लिए हरित गलियारा बनाया गया और पुलिस बल की एक प्लाटून तैनात की गई थी। भुवनेश्वर के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) जगमोहन मीणा ने संवाददाताओं को बताया, ''एम्बुलेंस एम्स भुवनेश्वर से मरीज को लेकर 12 मिनट में हवाई अड्डे पहुंच गई।

सीरिया के बेदुइन ने ड्रूज बहुल स्वेदा से पीछे हटने की घोषणा की

मजरा (सीरिया)/एपी। सीरिया के सशस्त्र बेदुइन कबीलों ने रविवार को घोषणा की कि वे एक सप्ताह से अधिक समय तक चले संघर्ष के बाद अमेरिका की मध्यस्थता में हुए संघर्षविराम समझौते के तहत ड्रूज बहुल स्वेदा शहर से हट गए हैं। इसके साथ ही मानवीय सहायता काफिले शहर में प्रवेश करने लगे हैं। ड्रूज धार्मिक अल्पसंख्यकों और सुन्नी मुस्लिम गुटों के मिलिशिया के बीच संघर्ष में सैकड़ों लोग मारे गए हैं। पहले से ही संकट से जूझ रहे सीरिया में इस संघर्ष के कारण हालात और बिगड़ने का खतरा पैदा हो गया है। इजराइल ने ड्रूज बहुल स्वेदा प्रांत में दर्जनों हवाई हमले भी किए जिनमें उन सरकारी बलों को निशाना बनाया गया, जिन्होंने बेदुइन का प्रभावी रूप से पक्ष लिया था। इन झड़पों के परिणामस्वरूप ड्रूज समुदाय के विरुद्ध लगातार एक के बाद एक लक्षित सांप्रदायिक हमले शुरू हो गए, जिसके बाद बेदुइन के विरुद्ध बदला लेने के लिए हमले किए गए। प्रांत के विभिन्न कस्बों और गांवों में एक के बाद एक हो रही अपहरण की घटनाओं के कारण झड़प शुरू हुईं, जो बाद में शहर में फैल गईं।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

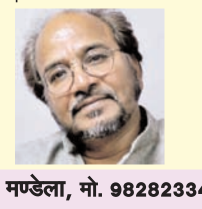

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बदलाव का वक्त

वक्त है बदलाव का,
बदलें सभी व्यवहार को।
बदल डाले तंत्र में,
विस्तीर्ण भ्रष्टाचार को।
हो सके तो रोक दें,
अपराध की भरमार को।
लोग सच्चे हों सियासी,
चुने उन किरदार को।।

यूक्रेन के साथ शांति के लिए तैयार, लेकिन अपने लक्ष्यों को प्राप्त करना प्राथमिकता : रूस

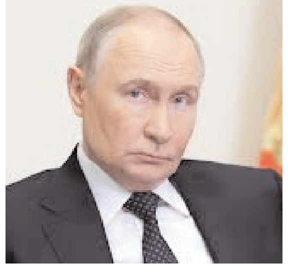

■ क्रेमलिन ने इस बात पर जोर दिया है कि किसी भी शांति समझौते में यूक्रेन को उन चार क्षेत्रों से हटना चाहिए, जिन्हें रूस ने सितंबर 2022 में अपने अधीन कर लिया था, लेकिन कभी भी पूरी तरह से कब्जा नहीं किया।

■ रूस यह भी चाहता है कि यूक्रेन नाटो में शामिल होने के अपने प्रयास को छोड़ दे तथा अपने सशस्त्र बलों के लिए उसके द्वारा तय हदें स्वीकार कर ले।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/एपी। रूस ने रविवार को कहा कि वह यूक्रेन के साथ शांति स्थापित करने के लिए तैयार है, लेकिन अपने लक्ष्यों को प्राप्त करना उसकी प्राथमिकता है।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने सरकारी टीवी संवाददाता पावेल ज़ारुबिन से कहा, ''राष्ट्रपति (व्लादिमीर) पुतिन ने बार-बार यूक्रेन से वार्ता को यथाशीघ्र शांतिपूर्ण निष्कर्ष पर पहुंचाने की अपनी इच्छा व्यक्त की है। यह एक लंबी प्रक्रिया है, इसके लिए प्रयास की आवश्यकता है, और यह आसान नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे लिए मुख्य बात अपने लक्ष्यों को प्राप्त करना है। हमारे लक्ष्य स्पष्ट हैं।''

क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मास्को को युद्ध विराम पर सहमत होने या कड़े प्रतिबंधों का सामना करने के लिए 50 दिन की समय सीमा दिए जाने के कुछ दिन बाद दिया है।

क्रेमलिन ने इस बात पर जोर दिया है कि किसी भी शांति समझौते में यूक्रेन को उन चार क्षेत्रों से हटना चाहिए, जिन्हें रूस ने सितंबर 2022 में अपने अधीन कर लिया था, लेकिन कभी भी पूरी तरह से कब्जा नहीं किया।

रूस यह भी चाहता है कि यूक्रेन नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) में शामिल होने के अपने प्रयास को छोड़ दे तथा अपने सशस्त्र बलों के लिए उसके द्वारा तय हदें स्वीकार कर ले। हालांकि, यूक्रेन और उसके पश्चिमी सहयोगियों ने इसे अस्वीकार कर दिया है।

इस बीच, रूस ने यूक्रेन के शहरों पर अपने लंबी दूरी के हमलों को तेज करना जारी रखा है। विश्लेषकों का कहना है कि आने वाले दिनों में रूस की बमबारी बढ़ने की आशंका है।

रूस के प्रशांत तट पर सुनामी का खतरा टला

मॉस्को/एपी। प्रशांत महासागर सुनामी चेतावनी केंद्र ने रविवार को कहा कि रूस के कामचातका प्रायद्वीप पर अब सुनामी आने का खतरा नहीं है। इससे पहले, इसने समुद्र में पांच शक्तिशाली भूकंप आने के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की थी। इनमें से सबसे बड़े भूकंप की तीव्रता 7.4 मापी गई थी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, बड़े भूकंप का केंद्र पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की शहर के 144 किलोमीटर पूर्व में 20 किलोमीटर की गहराई में था। शहर की आबादी 1,80,000 है। इससे पहले और बाद में भी भूकंप आया। सुनामी केंद्र ने शुरू में कहा था कि बड़ी सुनामी लहरों का खतरा है, लेकिन बाद में उसने अपनी चेतावनी को कम कर दिया और अंततः कहा कि खतरा टल गया है। रूस के आपातकालीन मंत्रालय ने भी सबसे बड़े भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी जारी की तथा तटीय बस्तियों के निवासियों से तट से दूर रहने का आग्रह किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ब्रिटेन और मालदीव की चार दिवसीय यात्रा पर जाएंगे

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार से ब्रिटेन और मालदीव की चार दिवसीय यात्रा पर जाएंगे। इस यात्रा का उद्देश्य भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, मोदी पहले चरण में दो दिवसीय यात्रा पर ब्रिटेन जाएंगे और फिर मालदीव में स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री की 25 से 26 जुलाई तक होने वाली मालदीव यात्रा को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि यह द्विपक्षीय संबंधों को पुनः स्थापित करने का प्रतीक है। चीन समर्थक माने जाने वाले मोहम्मद मुइज्जू के नवंबर 2023 में सत्ता में आने के बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव पैदा हो गया था।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, अपनी यात्रा के पहले चरण में मोदी 23 से 24 जुलाई को ब्रिटेन की यात्रा पर जाएंगे और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर के साथ व्यापक वार्ता करेंगे। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की लंदन यात्रा के दौरान भारत और ब्रिटेन द्वारा मुक्त व्यापार समझौते पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किये जाने की उम्मीद है।

'आप' विधायक अनमोल गगन मान इस्तीफा वापस लेने पर सहमत हुईं

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा और राजनीति छोड़ने की घोषणा के एक दिन बाद, आप विधायक और पूर्व मंत्री अनमोल गगन मान रविवार को अपना फैसला वापस लेने पर सहमत हो गईं।

उन्होंने यह निर्णय तब किया, जब आम आदमी पार्टी की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अमन अरोड़ा ने उनसे मुलाकात की और पार्टी व क्षेत्र के लिए काम जारी रखने का आग्रह किया। अरोड़ा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने अनमोल से मुलाकात कर विधायक के रूप में उनके इस्तीफे को अस्वीकार करने के पार्टी के फैसले के बारे में बताया, जिसके बाद 'आप' विधायक इस्तीफा वापस लेने को राजी हो गयीं। उन्होंने कहा, (उनसे) पार्टी और निर्वाचन क्षेत्र की प्रगति के लिए मिलकर काम करते रहने के लिए कहा। अनमोल 'आप' और अरविंद केजरीवाल के परिवार का हिस्सा थीं, हैं और रहेंगी। अरोड़ा ने पोस्ट में अनमोल के साथ एक तस्वीर साझा की। अरोड़ा पंजाब सरकार में कैबिनेट मंत्री भी हैं। अनमोल ने बाद में 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज मैंने हमारे पार्टी अध्यक्ष (पंजाब) अमन अरोड़ा जी से मुलाकात की। उन्होंने कहा, आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल जी द्वारा इस्तीफा अस्वीकार करने के फैसले को स्वीकार कर लिया गया है। इस बीच, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि कभी-कभी व्यक्ति भावुक होकर फैसला ले लेता है और उन्होंने यह भी कहा कि अनमोल गगन मान कैबिनेट का हिस्सा रह चुकी हैं।

पति की हत्या का भेद चैट से खुला

महिला ने प्रेमी को लिखा, 'इतनी गोलियां दे चुकी, पर कुछ नहीं हुआ'

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के द्वारका के उत्तम नगर इलाके में एक व्यक्ति की हत्या की साजिश का भंड़ाफोड़ उसकी पत्नी और उसके प्रेमी के बीच 90 से अधिक इंस्टाग्राम संदेशों से हुआ है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि जांचकर्ता यह भी पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या महिला ने अपने परिवार के सदस्यों और ससुराल वालों से अपनी बातचीत छिपाने के लिए इंस्टाग्राम के गायब होने वाले संदेश फीचर का इस्तेमाल किया था, क्योंकि वह पिछले दो वर्षों से अपने प्रेमी के साथ रिश्ते में थी।

करण (36) की कथित तौर पर उसकी पत्नी सुष्मिता और उसके प्रेमी राहुल (जो उसका रिश्ते में देवर लगता है) ने नशीला पदार्थ खिलाकर और बिजली का झटका देकर हत्या कर दी। यह घटना 13 जुलाई को तब सामने आई जब माता रूपरानी मग्गो अस्पताल से पीसीआर को कॉल कर करण की मौत की सूचना दी गई। पुलिस उपायुक्त (द्वारका) अंकित कुमार सिंह ने कहा, '' चैट (संदेशों का आदान-प्रदान) तक करण के भाई की पहुंच के बाद सुष्मिता और उसके कथित प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया गया। इस चैट में करण की हत्या की साजिश पर चर्चा की गई थी। राहुल, करण का चचेरा भाई है।''

गृह मंत्री अमित शाह ने हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं पर विशेष टीम गठित करने का आदेश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति और तीव्रता के मद्देनजर स्थिति का आकलन करने के लिए एक केंद्रीय टीम के गठन का निर्देश दिया है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि शाह की अध्यक्षता में हाल में हुई एक बैठक में यह बात सामने आई कि हिमाचल प्रदेश में बादल फटने, अचानक बाढ़, भूस्खलन और मूसलाधार बारिश की आवृत्ति एवं तीव्रता में वृद्धि हुई है, जिससे राज्य में बड़े पैमाने पर जान-माल की हानि,

बुनियादी ढांचे और आजीविका को नुकसान हुआ है।

इसमें कहा गया है कि शाह ने स्थिति का आकलन करने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई) रुड़की, भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) पुणे और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर के विशेषज्ञों की एक बहु-क्षेत्रीय केंद्रीय टीम के गठन का आदेश दिया।

विज्ञप्ति में कहा गया कि इस वर्ष हिमाचल प्रदेश के विभिन्न भागों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन के मद्देनजर केंद्र सरकार ने राज्य के ज्ञापन की प्रतीक्षा किए बिना ही, क्षति का मौके पर जाकर प्रत्यक्ष आकलन करने के लिए पहले ही एक अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल (आईएमसीटी) को तैनात कर दिया है।

आईएमसीटी 18 से 21 जुलाई तक राज्य के प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रही है।

यूआईडीएआई जल्द ही विद्यालयों के माध्यम से बच्चों का 'बायोमेट्रिक अपडेट' करेगा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) दो महीने बाद चरणबद्ध तरीके से विद्यालयों के माध्यम से बच्चों के 'बायोमेट्रिक अपडेट' शुरू करने की परियोजना पर काम कर रहा है। एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी।

प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) भुवनेश कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि सात करोड़ से ज्यादा बच्चों ने 'आधार' के लिए अपने 'बायोमेट्रिक अपडेट' नहीं किए हैं।

पांच साल की आयु के होने के बाद यह प्रक्रिया करना अनिवार्य है। कुमार ने कहा, यूआईडीएआई, विद्यालयों के जरिये अभिभावकों की सहमति से बच्चों के 'बायोमेट्रिक अपडेट' करने की परियोजना पर काम कर रहा है। हम इस समय इस प्रौद्योगिकी का परीक्षण रहे हैं और यह 45 से 60 दिनों में तैयार हो जाएगी।

बच्चों के 'बायोमेट्रिक' डेटा की सटीकता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए अनिवार्य 'बायोमेट्रिक अपडेट' का समय पर पूरा होना एक अनिवार्य आवश्यकता है। अगर सात वर्ष की आयु के बाद भी अपडेट नहीं किया जाता है तो मौजूदा नियमों के अनुसार, आधार संख्या निष्क्रिय की जा सकती है।

राज्य का दर्जा हमारा अधिकार है, 'हाइब्रिड' प्रणाली स्वीकार्य नहीं: उमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बिना किसी देरी के बहाल करने की जोरदार अपील की और संकेत दिया कि इस संबंध में सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस कानूनी विकल्पों सहित सभी रास्ते तलाश रही है।

केंद्र शासित प्रदेश में नेशनल कॉन्फ्रेंस के सत्ता में आने के लगभग दस महीने बाद अब्दुल्ला ने कहा कि राज्य का दर्जा लोगों का मौलिक अधिकार है। उन्होंने कहा, केंद्र ने संसद और सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष इसका वादा किया था। अब्दुल्ला ने सरकार की हाइब्रिड प्रणाली की बात को खारिज कर दिया जिसके तहत राज्य का दर्जा बहाल होने के बाद भी कानून-व्यवस्था केंद्र के पास रहेगी और कहा कि ऐसी बातें उन लोगों की ओर से आ रही हैं जिन्होंने पिछले साल के विधानसभा चुनाव होने पर संदेह जताया था। विधानसभा चुनावों में 64 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने भाग लिया था।

अब्दुल्ला ने 'पीटीआई-भाषा' को दिये एक साक्षात्कार में कहा, बहरहाल, यह स्पष्ट रूप से आदर्श स्थिति नहीं है। बार-बार किए गए वादों, संसद में जतायी गई प्रतिबद्धताओं और उच्चतम न्यायालय में दिये गये आश्वासनों के बावजूद, यह मामला अभी तक सुलझ नहीं पाया है। और हम ऐसी कोई चीज नहीं मांग रहे जो हमारा हक नहीं है। राज्य का दर्जा हमारा अधिकार है, इसका वादा लोगों से किया गया था। उन्होंने कहा, तो, हम कोई नई या असामान्य मांग नहीं कर रहे हैं। यह कोई ऐसी बात नहीं है जो सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा न रही हो। लेकिन, केंद्र सरकार में जिनके पास सत्ता है, उन्हें ही बेहतर पता है कि अब तक ऐसा क्यों नहीं हुआ। फिर भी, हम लगातार दबाव बना रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध रखने वाले अब्दुल्ला ने इस मामले पर अपनी निजी चर्चाओं का विवरण देने से परहेज किया तथा केवल इतना कहा कि राज्य के दर्जे का मुद्दा कई बार, कई स्तरों पर उठाया गया है। उन्होंने कहा, मेरे और प्रधानमंत्री, गृहमंत्री आदि के बीच जो व्यक्तिगत बातचीत हुई है, वे ऐसी बातें नहीं हैं जिन्हें सार्वजनिक किया जाए।

एनडीआरएफ की टीम में शामिल होंगे खोजी कुत्ते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) आपदा क्षेत्रों में मृतकों या मानव अवशेषों को सूंघकर शवों को खोज सकने की क्षमता वाले खोजी कुत्तों (कैडेवर डॉग) की पहली टुकड़ी को जल्द ही सेवा में शामिल करेगा। एजेंसी के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि तमिलनाडु के अरक्कोणम और उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में स्थित एनडीआरएफ बटालियन के बेस पर पिछले कुछ महीनों से ऐसे छह से अधिक कुत्तों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अधिकतर बेल्जियन मैलिनोइस और लैब्राडोर नस्ल के विशेष कुत्तों को प्रशिक्षित करने के लिए बल ने विदेश से एक विशेष गंध मंगाई है, जो मृत शरीर से निकलने वाली गंध की तरह है।

एनडीआरएफ के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''एनडीआरएफ का ध्यान जिंदगियां बचाने पर केंद्रित रहा है। आपदा के दौरान जीवित बचे लोगों को खोजना बचावकर्मियों का मार्गदर्शक सिद्धांत रहा है, इसलिए मृतकों या मानव अवशेषों को ढूंढना उनकी प्राथमिकता नहीं थी।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन हमने देखा है कि भूस्खलन की घटनाओं, ट्रेन या सड़क हादसों के दौरान एनडीआरएफ को मलबे के नीचे से शवों को निकालने का काम भी सौंपा जाता है।'' उन्होंने कहा कि परिजनों को सांत्वना देने के लिए शवों या मानव अवशेषों का मिलना महत्वपूर्ण है। अधिकारी ने बताया कि कुछ महीने पहले एनडीआरएफ ने शवों की तलाश करने वाले कुत्तों को प्रशिक्षित करने का अपना पहला अभ्यास शुरू किया।

अधिकारी ने कहा, ''ऐसे कुत्तों को प्रशिक्षित करना एक चुनौती है, प्रशिक्षण के लिए मानव शरीर या शरीर के अंगों की आवश्यकता होती है जो आसानी से उपलब्ध नहीं होते। इसलिए एनडीआरएफ के कुत्तों को प्रशिक्षित करने के लिए विदेश से एक विशेष गंध मंगवाई गई, जो मृतकों या मानव अवशेषों से निकलने वाली गंध की तरह है।''

उन्होंने बताया कि इन कुत्तों का प्रशिक्षण अगले महीने तक पूरा हो जाने की संभावना है। इसके बाद, उन्हें देश भर में एनडीआरएफ की कुल 16 बटालियन में से कुछ विशिष्ट बटालियन में तैनात किया जाएगा।

नायब सैनी सरकार ने माफिया के आगे 'आत्मसमर्पण' कर दिया है : सुरजेवाला

चंडीगढ़/भाषा। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने माफिया और गैंगस्टर के सामने ''आत्मसमर्पण'' कर दिया है।

पार्टी महासचिव ने आरोप लगाया कि भाजपा के शासनकाल में हरियाणा अपराध में डूब गया है और भगवद् गीता की भूमि से 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' जैसे माफिया की भूमि में बदल दिया है। सुरजेवाला ने यहां संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया, ''हरियाणा में गुंडों की बंदूकें राज कर रही हैं और सरकार की चुप्पी अपराधियों को संरक्षण दे रही है। हरियाणा में गुंडों की गोलियां अब कानून के राज पर हावी हो रही हैं।'' उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री और गृह मंत्री के तौर पर नायब सैनी पूरी तरह विफल हैं।'' उन्होंने कहा, ''सच्चाई यह है कि नायब सैनी सरकार ने माफिया और गैंगस्टर के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। हरियाणा का शासन 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के हाथों में सौंप दिया गया है।'' उन्होंने सैनी से इस्तीफा देने की मांग की। सुरजेवाला ने कहा, ''अगर यह सरकार कानून और संविधान की रक्षा नहीं कर सकती, तो उसे सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं है।'' हरियाणा के पूर्व मंत्री ने कहा कि 11 साल पहले राज्य में भाजपा के सत्ता में आने से पहले अखबारों में खिलाड़ियों के पदक जीतने और बड़े निवेश की सुर्खियां छाई रहती थीं।

विपक्ष पहलगाम, ट्रंप की टिप्पणी का उठाएगी मुद्दा

सरकार ने कहा-सभी विषयों पर चर्चा को तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने रविवार को संकेत दिया कि वह संसद के आगामी मनसून सत्र में विपक्ष की प्रमुख मांगों में से एक 'ऑपरेशन सिंदूर' सहित सभी मुद्दों पर चर्चा को तैयार है।

वहीं, विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस'(इंडिया गठबंधन) ने जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस मामले के साथ-साथ अमेरिकी राष्ट्रपति के पाकिस्तान के साथ 'संघर्ष विराम' के दावों और बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर भी जवाब देना चाहिए।

सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री द्वारा संसद में इन मुद्दों पर स्वयं जवाब देने की संभावना बहुत कम है। हालांकि, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने जोर देकर कहा कि जब भी भारत-पाकिस्तान संघर्ष पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों पर चर्चा होगी, सरकार उचित जवाब देगी। सत्र में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा ऑपरेशन सिंदूर पर एक विस्तृत बयान दिए जाने की संभावना है। सिंह ने शुक्रवार शाम को अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगियों के साथ दो प्रमुख बैठकें कीं और एक अन्य बैठक शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ की।

राजग सहित कई नेता ऑपरेशन सिंदूर पर विभिन्न संसदीय प्रतिनिधिमंडलों के माध्यम से सरकार की विदेश पहुंच की उपलब्धियों को उजागर करने के लिए चर्चा भी चाहते हैं। सूत्रों ने बताया कि सरकार संसद में अपना विचार रखने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर को भी मैदान में उतार सकती है। सोमवार से शुरू हो रहे सत्र से पहले पारंपरिक सर्वदलीय बैठक के बाद रीजीजू ने संवाददाताओं से कहा कि सरकार ने महीने भर चलने वाले सत्र के दौरान संसद के सुचारू संचालन में विपक्ष से सहयोग मांगा है।

केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद रीजीजू ने संवाददाताओं से कहा कि संसद को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार और विपक्ष के बीच समन्वय होना चाहिए।

रीजीजू ने कहा कि उन्होंने विपक्ष और सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटकों को धैर्यपूर्वक सुना और आशा व्यक्त की कि आगामी सत्र बहुत लाभदायक होगा।

रविवार को हुई सर्वदलीय बैठक में विभिन्न दलों के 54 नेताओं और निर्दलीय संसद सदस्यों ने हिस्सा लिया।

रीजीजू ने कहा, ''हम ऑपरेशन सिंदूर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ये राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे हैं। सरकार इससे पीछे नहीं हट रही है और न ही कभी हटेगी, बल्कि नियमों और परंपराओं के दायरे में चर्चा के लिए तैयार है।'' उन्होंने कहा कि सरकार 'नियम' और 'परंपरा'को महत्व देती है। बैठक में उठाए गए मुद्दों को दोनों सदनों की कार्य मंत्रणा समिति में उठाया जाएगा, जहां अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

मुंबई में कुत्ते ने 11 साल के लड़के पर हमला किया, मालिक पर मामला दर्ज

मुंबई/भाषा। मुंबई में पूर्वी उपनगर में एक पालतू कुत्ते ने 11 वर्षीय लड़के पर हमला करके घायल कर दिया जिसके बाद कुत्ते के मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि बृहस्पतिवार रात मानखुर्द इलाके में हुए हमले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

घायल लड़के के पिता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, आरोपी सोहेल हसन खान (43) ने अपने पिटबुल कुत्ते को उस बच्चे पर छोड़ दिया। बच्चा एक आवासीय क्षेत्र में खड़े ऑटोरिक्शा के अंदर खेल रहा था। वायरल वीडियो में आरोपी को हंसते हुए देखा जा सकता है, जबकि आसपास के अन्य लोग इस कृत्य का आनंद ले रहे हैं जबकि कुत्ता लड़के पर हमला कर रहा है।

अधिकारी ने बताया कि कुत्ते ने लड़के की ठोड़ी पर काट लिया और उसे घायल कर दिया। उन्होंने बताया कि खान के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

महाराष्ट्र विधानसभा सत्र के दौरान मंत्री कोकाटे के मोबाइल 'गेम' वीडियो को लेकर विवाद

नागपुर/मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता और महाराष्ट्र के कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे के उस वायरल वीडियो को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है जिसमें वे कथित तौर पर विधानमंडल सत्र के दौरान अपने मोबाइल फोन पर 'रमी' (ताश के पत्तों का खेल) खेल रहे हैं। विपक्ष ने सरकार पर किसानों के प्रति असंवेदनशील होने का आरोप लगाया है।

आलोचनाओं का सामना कर रहे कोकाटे ने रविवार को स्पष्ट किया कि वह अपने मोबाइल फोन पर डाउनलोड किए गए 'गेम' को हटाने की कोशिश कर रहे थे, जो हाल ही में संपन्न मानसून सत्र के दौरान निचले सदन में हुए कामकाज को समझने के लिए यूट्यूब देखते समय 5 से 10 सेकंड के लिए दिखाई दिया था। राज्य विधानमंडल के उच्च सदन की

कार्यवाही स्थगित होने पर वह अपना फोन देख रहे थे। यह वीडियो राकांपा (शरदचंद्र पवार) गुट के विधायक रोहित पवार ने 'एक्स' पर पोस्ट करके उपमुख्यमंत्री अजित पवार की अगुवाई वाली राकांपा और भाजपा पर निशाना साधा। पवार ने कहा, सत्तारूढ़ राकांपा गुट भाजपा से सलाह-मशविरा किए बिना काम नहीं कर सकता, यही वजह है कि कृषि से जुड़े कई मुद्दे लंबित होने और राज्य में रोजाना आठ किसानों द्वारा आत्महत्या किए जाने के बावजूद, कृषि मंत्री 'रमी' खेलने में समय बिताते दिखते हैं क्योंकि उनके पास कोई काम नहीं है।

आंध्र शराब घोटाला

वाईएसआरसीपी सांसद मिधुन रेड्डी अदालत में पेश

विजयवाड़ा/भाषा। कथित शराब घोटाले के आरोपी वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के लोकसभा सदस्य पीवी मिधुन रेड्डी को रविवार को विजयवाड़ा एसीबी अदालत में पेश किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

विशेष जांच दल (एसआईटी) ने पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान हुए कथित 3,500 करोड़ रुपए के शराब घोटाले में रेड्डी को शनिवार को गिरफ्तार किया था।

कथित शराब घोटाले की जांच कर रही एसआईटी ने शनिवार को रेड्डी से कई घंटों तक पूछताछ की और इसके बाद शाम करीब साढ़े सात बजे विजयवाड़ा में उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले आज सुबह एसआईटी के अधिकारी मिधुन रेड्डी को विजयवाड़ा के एक सरकारी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उनकी चिकित्सा जांच की।

पुलिस अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, चिकित्सा दल को कोई स्वास्थ्य संबंधी जटिलता नहीं मिली, इसलिए उन्हें कानूनी प्रोटोकॉल के अनुसार अदालत में पेश किया गया। रेड्डी आंध्र प्रदेश के राजमपेट निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

आंध्र शराब घोटाला : आरोपपत्र में पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी को रिश्वत प्राप्तकर्ता बताया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश पुलिस द्वारा 3,500 करोड़ रुपए के कथित शराब घोटाले के सिलसिले में एक स्थानीय अदालत में दायर आरोप पत्र में पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नाम का उल्लेख रिश्वत प्राप्तकर्ता के तौर पर किया गया है।

आरोप पत्र के अनुसार, उन्हें हर महीने औसतन 50 से 60 करोड़ रुपए तक की रिश्वत मिली। हालांकि, शनिवार को दायर 305 पृष्ठों के आरोपपत्र में जगन का नाम आरोपी के तौर पर नहीं है। अदालत ने अभी तक आरोपपत्र पर संज्ञान नहीं लिया है।

पुलिस की ओर से दायर आरोपपत्र के मुताबिक, ''एकत्रित राशि अंततः केसिरेड्डी राजशेखर रेड्डी (ए-1) को सौंप दी गई। इसके बाद राजशेखर रेड्डी ने यह राशि विजय साई रेड्डी (ए-5), मिथुन रेड्डी (ए-4), और बालाजी (ए-33) को सौंप दी, जिन्होंने इसे पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी को हस्तांतरित कर दिया। औसतन हर महीने 50-60 करोड़ रुपए की वसूली होती थी।'' आरोपपत्र में खुलासा किया गया है कि 3,500 करोड़ रुपए के पूरे शराब घोटाले के 'मास्टरमाइंड और सह-षड्यंत्रकारी' राजशेखर रेड्डी ने आबकारी नीति में हेरफेर को प्रभावित

करने के अलावा स्वचालित ओएफएस (आपूर्ति के लिए आदेश) को मैनुअल प्रक्रिया से बदलने में अहम भूमिका निभाने के अलावा एपीएसबीसीएल (आंध्र प्रदेश राज्य पेय पदार्थ निगम लिमिटेड) में अपने वफादार कर्मचारियों को नियुक्त करवाया।

आरोपपत्र में कहा गया है कि उन्होंने कथित तौर पर फर्जी शराब बनाने वाली भट्टियां बनाईं और एक अन्य आरोपी बालाजी गोविंदप्पा के माध्यम से जगन को रिश्वत दी। राजशेखर रेड्डी ने आरोपी चेविरेड्डी भास्कर रेड्डी (पूर्व विधायक) के साथ मिलकर वाईएसआरसीपी पार्टी की ओर से चुनावों के लिए 250-300 करोड़ रुपए तक की नकदी भेजी और 30 से अधिक फर्जी फर्मों के माध्यम से धन शोधन भी किया। यह राशि दुबई और अफ्रीका में जमीन, सोना, विलासिता की वस्तुएं खरीदने में निवेश की गई। पुलिस ने आरोप लगाया कि मुख्य आरोपी ने पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान शराब की आपूर्ति और बिक्री पर पूर्ण नियंत्रण रखने के इरादे से नई शराब नीति को लागू कराया था। आरोपपत्र में कहा गया, ''आरोपियों ने आबकारी नीति और इसके तौर-तरीकों में बदलाव की योजना बनाई, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें बड़ी रिश्वत मिले, इस तरह की रिश्वत का अधिकांश हिस्सा नकद, सोने की ईंटों आदि के रूप में प्राप्त हुआ।''

प्रेम प्रसंग से नाराज पिता ने बेटी को नहर में धक्का देकर मार डाला

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के मंगलौर क्षेत्र में अपनी नाबालिग बेटी के प्रेम प्रसंग से नाराज एक पिता ने कथित तौर पर उसे नहर में धक्का देकर मार डाला।

पुलिस ने रविवार को बताया कि पुलिस ने सिडकुल के ढालूवाला के रहने वाले आरोपी प्रदीप कुमार धीमान के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि 17 वर्षीय प्राची का शव नहर से बरामद हो गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, धीमान का अपनी बेटी से उसके प्रेम प्रसंग को लेकर मनमुटाव था जिसके चलते शनिवार शाम वह उसे मंगलौर नहर पुल पर ले गया और वहां से उसने उसे कथित रूप से नहर में धक्का दे दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची जहां धीमान के अपनी बेटी को धक्का देने से वहां मौजूद कांवड़िए उसके साथ मारपीट पर उतारू थे। पुलिस ने बमुश्किल आरोपी को वहां से निकाला। पूछताछ में धीमान ने बताया कि उसकी बेटी का उसके घर के सामने रहने वाले एक युवक से प्रेम प्रसंग था जो उसके परिवार को पसंद नहीं था। आरोपी ने बताया कि कई बार समझाने के बाद भी जब वह नहीं मानी तो उसने उसे नहर में धक्का दे दिया।

ईडी कोई ड्रोन नहीं है जो आपराधिक गतिधिवि देखते ही हमला कर दे : मद्रास उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने कहा है कि ईडी कोई ड्रोन नहीं है जो अपनी इच्छा से हमला कर दे और न ही वह कोई सुपर कॉप है जो उसके संज्ञान में आने वाली हर चीज की जांच करे। 'सुपर कॉप' से आशय एक अत्यधिक दक्ष और सफल पुलिस अधिकारी से है। न्यायमूर्ति एम. एस. रमेश और न्यायमूर्ति वी. लक्ष्मीनारायणन की खंडपीठ ने शहर में स्थित आरकेएम पॉवरजेन प्राइवेट लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की।

आरकेएम ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज मामले में उसकी 901 करोड़ रुपये की सावधि जमा जब्त करने को चुनौती दी है। ईडी ने छत्तीसगढ़ में एक बिजली संयंत्र के लिए कोयला ब्लॉक आवंटन को लेकर 2014 में सीबीआई द्वारा दर्ज की गई एक प्राथमिकी के आधार पर यह कार्रवाई की थी। एजेंसी ने 2017 में एक क्लोजर रिपोर्ट दायर की थी जिसमें कहा गया था कि उसे कोयला ब्लॉक आवंटन में कोई

अनियमितता नहीं मिली।

सीबीआई अदालत क्लोजर रिपोर्ट से सहमत नहीं थी और कुछ पहलुओं पर विस्तृत जांच चाहती थी। साल 2023 में, सीबीआई ने एक पूरक अंतिम रिपोर्ट दायर की, जिसमें पाया गया कि भारतीय दंड सहिंता (आईपीसी) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत अभियोजन के लिए पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। बाद में, ईडी ने आरकेएमपी से जुड़े निदेशकों और होल्डिंग कंपनियों के परिसरों की तलाशी ली। 31 जनवरी, 2025 को एक जब्ती आदेश पारित किया गया, जिसके तहत ईडी ने 901 करोड़ रुपये की सावधि जमा राशि को जब्त कर लिया।

कंपनी ने उक्त आदेश को चुनौती दी और अदालत ने उसे रद्द कर दिया। पीठ ने कहा कि पीएमएलए की धारा 66(2) का सावधानीपूर्वक अध्ययन करने से पता चलता है कि यदि जांच के दौरान ईडी को कानून के अन्य प्रावधानों के उल्लंघन का पता चलता है, तो वह उन अपराधों की जांच नहीं कर सकता। अदालत ने कहा कि ईडी को उचित एजेंसी को सूचित करना होता है, जिसे उस अपराध की जांच करने का कानूनी अधिकार हो।

पीठ ने कहा कि अगर वह एजेंसी, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से सूचना मिलने पर, जांच शुरू करती है और शिकायत दर्ज करती है, तो निश्चित रूप से प्रवर्तन निदेशालय उन पहलुओं की भी जांच कर सकता है, बशर्ते कि अपराध से आय अर्जित हुई हो। पीठ ने कहा, यदि जांच एजेंसी को ईडी द्वारा बताए गए पहलुओं के संबंध में कोई मामला नहीं मिलता है, तो ईडी स्वतः संज्ञान लेकर जांच को आगे नहीं बढ़ा सकता। पीठ ने कहा, ईडी किसी भी आपराधिक गतिविधि पर अपनी इच्छानुसार हमला करने वाला कोई ड्रोन नहीं है। पीठ ने कहा कि दस्तावेजों के अवलोकन से पता चलता है कि उपरोक्त किसी भी कथित आपराधिक गतिविधि के संबंध में कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई थी। पीठ ने कहा, ईडी कोई 'सुपर कॉप' नहीं है जो उसके संज्ञान में आने वाली हर चीज की जांच करे।

केरल में लगातार बारिश से नदियों और बांधों का जलस्तर बढ़ा, नौ जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के कई हिस्सों में लगातार बारिश के कारण रविवार को नदियों और बांधों का जलस्तर बढ़ गया तथा निचले इलाकों में जलभराव हो गया। इसके मद्देनजर मौसम विभाग ने राज्य के नौ जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने एर्नाकुलम, इडुक्की, त्रिशूर, पलक्कड़, मलप्पुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिले के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है।

केरल के शेष पांच जिलों के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। आईएमडी ने राज्य के सभी जिलों में एक या दो स्थानों पर मध्यम वर्षा तथा 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है।

पलक्कड़ में विभिन्न बांधों में जलस्तर बढ़ने पर अतिरिक्त पानी निकालने के लिए उनके फाटक खोल दिए गए। पलक्कड़ जिला प्रशासन के अनुसार, जहां बांधों के फाटक खोले गए हैं उनमें मालमपुझा, मंगलम, सिरुवानी, मीनकारा और पोथुंडी शामिल हैं। इस बीच, सिंचाई डिजाइन एवं अनुसंधान बोर्ड (आईडीआरबी) ने पथनमथिट्टा और कासरगोड जिलों में क्रमशः मणिमाला और मोगराल नदियों के लिए 'खतरे की चेतावनी' जारी की है, क्योंकि जलस्तर में काफी वृद्धि हुई है।

तमिलनाडु में द्रमुक शासन में महिलाएं और 'लड़कियां असुरक्षित': पलानीस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपट्टिनम। अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव के. पलानीस्वामी ने तमिलनाडु में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर चिंता व्यक्त की, साथ ही दावा किया कि राज्य में बच्चियां भी सुरक्षित नहीं हैं। अन्नाद्रमुक महासचिव ने आरोप लगाया कि अपराधियों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। उन्होंने लड़कियों और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में कथित रूप से विफल रहने के लिए सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की आलोचना की।

लोगों की रक्षा और तमिलनाडु को 'मुक्ति' राज्यव्यापी अभियान के तहत यहां शनिवार को एक रैली में पलानीस्वामी ने कहा, ''गुम्मडीपूंडी में 10 साल की लड़की के साथ कथित रूप से दुष्कर्म करने वाले अपराधी को अब तक गिरफ्तार नहीं किया जा सका। द्रमुक शासनकाल में लड़कियां, महिलाएं और बुजुर्ग सुरक्षित नहीं है।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने सवाल पूछा, ''क्या आप ऐसी सरकार को आगे भी सत्ता में लाना चाहेंगे?'' इस बीच भीड़ ने जवाब दिया – नहीं'। पलानीस्वामी ने कहा कि लोगों का वर्तमान द्रमुक शासन से सभी मोर्चों पर 'मोहभंग' हो चुका हैं और इस बार द्रमुक के खिलाफ लोग एक और सत्याग्रह के लिए तैयार हैं। ताकि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में मताधिकार के बल पर उस पार्टी को सत्ता से बाहर किया जा सके।'' इससे पहले पलानीस्वामी ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ वेलंकन्नी चर्च के नाम से मशहूर 'बेसिलिका ऑफ आवर लेडी ऑफ हेल्थ' का दौरा किया, जहां उन्होंने प्रार्थना की।

केरल सरकार और राज्यपाल के बीच मतभेद केवल एक 'समझौता': विपक्ष के नेता सतीशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने रविवार को आरोप लगाया कि राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच तथाकथित टकराव केवल मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच ''एक समझौता'' है, ताकि उच्च शिक्षा क्षेत्र में संकट जैसे अधिक गंभीर मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके। विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार के निलंबन के मुद्दे पर राज्य सरकार और केरल विश्वविद्यालय के कुलपति के बीच कथित सुलह का स्वागत करते हुए उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि विपक्ष ने ही सबसे पहले छात्रों के भविष्य की रक्षा के लिए सुलह की मांग की थी।

सत्तारूढ़ माकपा की छात्र शाखा, स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने शुक्रवार को उच्च शिक्षा मंत्री आर बिंदु के साथ चर्चा के बाद कुलपति मोहनन कुन्नुमल के खिलाफ अपना प्रदर्शन स्थगित कर दिया था। कांग्रेस नेता सतीशन ने बताया कि विपक्ष ने कहा था कि किसी समारोह के लिए सीनेट हॉल को किराए पर देना जैसे मामूली मुद्दों से विश्वविद्यालयों के कामकाज में बाधा नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य में छात्र कॉलेज और विश्वविद्यालय छोड़ रहे हैं और यह क्षेत्र गहरे संकट में है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन गंभीर समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए एसएफआई कार्यकर्ताओं को राज्यपाल और कुलपति के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए कहा गया था। सतीशन ने आरोप लगाया कि पिछले राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के कार्यकाल के दौरान, जब भी सरकार को संकट का सामना करना पड़ता था, तो वह (आरिफ मोहम्मद खान) भी महत्वपूर्ण मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए सरकार के खिलाफ कुछ मुद्दे उठाते थे। उन्होंने दावा किया कि राज्य में स्वास्थ्य क्षेत्र ''वेंटिलेटर सपोर्ट'' पर है और उच्च शिक्षा क्षेत्र खस्ताहाल है। केरल विश्वविद्यालय में यह मुद्दा 25 जून को राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर के एक समारोह के लिए सीनेट हॉल को धार्मिक संगठन को किराए पर दिए जाने से शुरू हुआ, जहां मंच पर 'भारत माता' की तस्वीर प्रदर्शित की गई थी।

विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार ने शुरुआत में समारोह के लिए अनुमति दी थी, लेकिन बाद में उसे रद्द कर दिया। हालांकि, राज्यपाल आदेश की अवहेलना करते हुए कार्यक्रम में शामिल हुए।

केरल उच्च न्यायालय ने जिला न्यायालयों में एआई के इस्तेमाल पर रोक लगाने संबंधी नीति जारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल उच्च न्यायालय ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) उपयोग नीति जारी की है, जिसके तहत जिला न्यायपालिका निर्णय लेने या कानूनी तर्क के लिए ऐसे उपकरणों का उपयोग नहीं कर पाएगी। उच्च न्यायालय ने ऐसे सॉफ्टवेयर उपकरणों की बढ़ती उपलब्धता और पहुंच को देखते हुए राज्य की जिला न्यायपालिका के न्यायिक कार्यों में एआई के जिम्मेदारीपूर्वक और सीमित उपयोग के लिए 'जिला न्यायपालिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उपकरणों के 'उपयोग संबंधी नीति' जारी की है।

अदालत के सूत्रों के अनुसार, यह अपनी तरह की पहली नीति है। अदालत ने जिला न्यायपालिका को ''अत्यधिक सावधानी बरतने'' की सलाह दी है क्योंकि एआई उपकरणों के अंधाधुंध उपयोग से नकारात्मक परिणाम हो सकते हैं, जिनमें निजता के अधिकारों का हनन, डेटा सुरक्षा जोखिम और न्यायिक निर्णय लेने में त्रुटि शामिल है। नीति दस्तावेज में कहा गया है, उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एआई उपकरणों का उपयोग केवल जिम्मेदार तरीके से, पूरी तरह से सहायक उपकरण के रूप में और विशेष मामलों में ही किया जाए। नीति का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी परिस्थिति में एआई उपकरणों का उपयोग निर्णय लेने या कानूनी तर्क-वितर्क के विकल्प के रूप में न किया जाए।

मंगलूरु का ठग न्यायिक हिरासत में, कई राज्यों में धोखाधड़ी मामले की जांच जारी

मंगलूरु। मंगलूरु के रहने वाले रोशन सलदान्हा को कई राज्यों के व्यापारियों से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि इस सप्ताह की शुरुआत में गिरफ्तार किए गए आरोपी पर वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़ी कई प्राथमिकियां दर्ज हैं। पुलिस ने शनिवार रात सलदान्हा को एक अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया गया। मंगलूरु दक्षिण पुलिस को अब नई शिकायतें मिली हैं।

मंगलूरु पुलिस पहले से ही 11 करोड़ रुपये और दो करोड़ रुपये के दो मामलों की जांच में जुटी है। महाराष्ट्र के एक व्यापारी ने आरोप लगाया कि 16 जुलाई को सलदान्हा के खाते में पांच करोड़ रुपये डाले गए थे। इसी तरह, असम के एक व्यापारी ने 17 जुलाई को 20 लाख रुपये ठगे जाने का दावा किया। पुलिस ने बैंकों को आरोपी के खाते फ्रीज करने का निर्देश दिया है। चित्रदुर्गा पुलिस, आंध्र प्रदेश के एक व्यापारी द्वारा दर्ज कराये गये 40 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से जुड़े एक अलग मामले में भी आरोपी की हिरासत की मांग कर सकती है।

मंगलूरु के पुलिस आयुक्त सुधीर कुमार रेड्डी ने बताया कि आरोपी को पूछताछ के लिए फिर से हिरासत में लिया जा सकता है। अधिकारियों ने अन्य पीड़ितों से स्थानीय स्तर पर या दक्षिण मध्य पूर्वी थाने में शिकायत दर्ज कराने का आग्रह किया है। इस बीच, गिरफ्तारी के समय सलदान्हा के आवास पर मिली मलेशिया की एक महिला को वापस भेजने की प्रक्रिया जारी है। पुलिस ने बताया कि धोखाधड़ी में महिला की कोई भूमिका नहीं है। पुलिस के मुताबिक, विदेश मंत्रालय के साथ समन्वय से महिला के दस्तावेजों का सत्यापन किया जा रहा है।

धर्मस्थला में हत्या, यौन उत्पीड़न और गुमशुदगी के आरोपों की जांच के लिए एसआईटी गठित

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने दक्षिण कन्नड़ जिले के धर्मस्थला क्षेत्र में पिछले दो दशकों में हुई हत्या की घटनाओं तथा यौन उत्पीड़न और महिलाओं के लापता होने के गंभीर आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। उन्नीस जुलाई का यह सरकारी आदेश रविवार को प्रेस को साझा किया गया। विशेष जांच दल का नेतृत्व आंतरिक सुरक्षा प्रभाग के पुलिस महानिदेशक प्रणव मोहंती करेंगे। इसके अन्य सदस्यों में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (भर्ती) एम एन अनुचेथ, पुलिस उपायुक्त (सीएआर मुख्यालय) सौम्या लता और पुलिस अधीक्षक (आंतरिक सुरक्षा प्रभाग) जितेंद्र कुमार दयामा शामिल हैं।

यह कदम कर्नाटक राज्य महिला आयोग अध्यक्ष नागलक्ष्मी चौधरी के पत्र की प्रतिक्रिया में उठाया गया है, जिसमें उन्होंने एक व्यक्ति द्वारा अदालत में दिए गए बयान का हवाला देते हुए दावा किया था कि धर्मस्थल क्षेत्र में सैकड़ों शव दफनाये गए थे। आयोग ने मानव खोपड़ी का पता चलने और एक लापता मेडिकल छात्रा के परिवार द्वारा दिए गए बयानों को रेखांकित करने संबंधी खबरों को भी गंभीरता से लिया। आयोग ने कहा कि ये खबरें और अदालत में दी गई गवाही दुर्व्यवहार, अस्वाभाविक मौतों और महिलाओं व छात्राओं की गुमशुदगी की एक चिंताजनक प्रवृत्ति की ओर इशारा करती हैं, जो पिछले 20 वर्षों से अधिक समय से चली आ रही है।

धर्मस्थला पुलिस थाने में पहले ही भारतीय न्याय संहिता की धारा 211(ए) के तहत एक मामला दर्ज किया जा चुका है। विशेष जांच दल (एसआईटी) को न केवल वर्तमान मामले की जांच करने का अधिकार दिया गया है, बल्कि राज्य भर के अन्य पुलिस थानों में दर्ज सभी संबंधित मामलों– चाहे वे पहले से दर्ज हों या भविष्य में दर्ज किए जाएं – की भी जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कर्नाटक में पिछले छह माह में कुत्तों के काटने के 2.3 लाख से अधिक मामले आए, रेबीज से 19 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में पिछले छह महीनों में कुत्तों के काटने के 2.3 लाख से अधिक मामले सामने आए हैं और रेबीज से कुल 19 लोगों की मौत हुई है। रविवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में इस बार कुत्तों के काटने के मामले में बढ़ोतरी देखने को मिली है। कर्नाटक में वर्ष 2024 में कुत्तों के काटने के 3.6 लाख मामले दर्ज किए गए थे और रेबीज से 42 लोगों की जान गई थी।

राज्य स्वास्थ्य विभाग के 'इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम' (आईडीएसपी) द्वारा 'पीटीआई-भाषा' को साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, कर्नाटक में इस वर्ष एक जनवरी से 30 जून के बीच कुत्तों के काटने के 2,31,091 मामले सामने आए हैं। वहीं, रेबीज के कारण 19 लोगों की मौत हुई है।

इसकी तुलना में, पिछले वर्ष इसी अवधि में कुत्तों के काटने के 1,69,672 मामले सामने आए थे तथा रेबीज से 18 मौतें हुई थीं। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि 2024 के इसी अवधि की तुलना में कुत्तों के काटने के मामलों में लगभग 36.20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

सोशल मीडिया पर इस सप्ताह एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें हुबली की सड़कों पर दो आवारा कुत्ते तीन साल की बच्ची पर हमला कर उसे घसीटते हुए नजर आ रहे हैं। इस घटना के बाद से लोगों की चिंताएं बढ़ गई थीं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रधान सचिव हर्ष गुप्ता ने कहा कि स्थिति नियंत्रण से बाहर नहीं है।

उन्होंने कहा, अब मामलों की संख्या अधिक प्रतीत हो रही है, क्योंकि उन्हें अधिक सटीक रूप से रिपोर्ट किया जा रहा है। पहले भी इसी तरह की घटनाएं होती थीं, लेकिन अब रिपोर्टिंग बेहतर हो गई है।

गुप्ता ने ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए विभाग के प्रयासों का जिक्र करते हुए 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हम जागरूकता पैदा करने, कुत्तों के काटने के शिकार लोगों के इलाज के लिए चिकित्सकों को प्रशिक्षण देने, पर्याप्त मात्रा में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने और शहरी स्थानीय निकायों तथा ग्रामीण प्रशासन को आवारा कुत्तों की आबादी का प्रबंधन करने के निर्देश देने पर ध्यान दे रहे हैं।''

मंत्री ने केंद्रीय विद्यालयों में पुस्तकों की कमी पर केंद्र से हस्तक्षेप का अनुरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने रविवार को राज्य के केंद्रीय विद्यालयों में पाठ्यपुस्तकों की कमी को दूर करने के लिए केंद्र से तत्काल हस्तक्षेप का अनुरोध किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रधानमंत्री श्री केंद्रीय विद्यालयों में कक्षा पांचवीं और आठवीं के विद्यार्थी कक्षाएं शुरू होने के चार महीने बाद भी आवश्यक पुस्तकों से वंचित हैं।

मंत्री ने बयान में कहा कि पहली तिमाही परीक्षाओं में बस कुछ दिन शेष हैं और पुस्तकें वितरित करने वाले एनसीईआरटी अधिकारियों की लापरवाही बेहद गंभीर है। केंद्रीय विद्यालयों में कक्षाएं एक अप्रैल से शुरू हुई थीं लेकिन चार महीने बाद भी शिक्षकों को केवल ऑनलाइन अध्ययन सामग्री ही उपलब्ध कराई गई। मंत्री ने कहा कि छात्र बिना किताबों के परीक्षा नहीं दे पाएंगे क्योंकि उनकी पढ़ाई पर गंभीर असर पड़ रहा है। शिवनकुट्टी ने राज्य के सरकारी विद्यालयों के साथ तुलना करते हुए कहा कि राज्य के अधिकारियों ने शैक्षणिक वर्ष शुरू होने से पहले ही विद्यालयों में पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध करा दी हैं। शिवनकुट्टी ने आरोप लगाया, ऐसी स्थिति में, एनसीईआरटी की लापरवाही अस्वीकार्य है। यह कदम किताबों को विद्यालयों में उपलब्ध कराने के बजाय ऑनलाइन मंचों और निजी बुक स्टॉल के माध्यम से वितरित करने का है। इससे बच्चों को मूल कीमत से कहीं ज्यादा कीमत पर किताबें खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार को तत्काल हस्तक्षेप कर पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध करानी चाहिए।

पैसों की लेनदेन को लेकर व्यक्ति को जिंदा जलाया, मौत

कोट्टायम/भाषा। केरल में कोट्टायम जिले के पाला में पैसों की लेकर देन को लेकर उत्पन्न हुए विवाद में 55 वर्षीय एक व्यक्ति को जिंदा जलाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि व्यक्ति की रविवार को मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक रामपुरम बस स्टेशन के पास 19 जुलाई को पैसों की लेनदेन को लेकर हुए विवाद की वजह से तुलसी दास ने आभूषण की दुकान चलाने वाले अशोकन पर पेट्रोल छिड़क कर उन्हें आग लगा दी, जिसके कारण वह 80 प्रतिशत तक जल गए थे। उसने बताया कि रविवार की सुबह कोट्टायम मेडिकल कॉलेज अस्पताल में अशोकन की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने कहा, ''अशोकन और तुलसी दास के बीच लंबे समय से पैसों की लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा था।'' पुलिस ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया। हालांकि आरोपी हमले के बाद मौके से फरार हो गया, पर बाद में उसने पुलिस थाने में आत्मसमर्पण कर दिया।

सिद्दरामय्या और शिवकुमार ने मतभेद की खबरों के बीच एकता दिखाते हुए काबिनी नदी में पूजा-अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने रविवार को कावेरी की सहायक नदी काबिनी में पारंपरिक 'बागीना' की रस्म अदा की। यह कदम दोनों नेताओं के बीच कथित मतभेदों की खबरों के बीच एकता का प्रतीक माना जा रहा है। यह अनुष्ठान मैसूरु में शनिवार को आयोजित कांग्रेस के 'साधना समावेश' कार्यक्रम के एक दिन बाद किया गया।

'साधना समावेश' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पर उपमुख्यमंत्री शिवकुमार को नजरअंदाज करने का आरोप लगा था। कार्यक्रम के दौरान सभा को संबोधित करते हुए मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का उल्लेख करते समय सिद्दरामय्या ने शिवकुमार का नाम नहीं लिया, जिससे आलोचना हुई और दोनों नेताओं के बीच मतभेद की अटकलें तेज़ हो गईं। दरअसल, शिवकुमार कार्यक्रम के दौरान ही दिल्ली के लिए रवाना हो चुके थे। जब कांग्रेस के एक नेता ने मुख्यमंत्री को शिवकुमार का नाम लेने की याद दिलाई, तो सिद्दरामय्या ने कहा कि प्रोटोकॉल के अनुसार केवल मंच पर मौजूद लोगों का ही उल्लेख किया जाता है। इस घटना को भाजपा ने मुद्दा बनाते हुए इसे शिवकुमार का अपमान बताया और कांग्रेस नेतृत्व में दरार की बात कही। पत्रकारों से बातचीत के दौरान सिद्दरामय्या ने भाजपा की प्रतिक्रिया को राजनीतिक शरारत करार दिया और कहा कि वह बेवजह की बात को मुद्दा बना रही है। सिद्दरामय्या ने कहा, ''शिवकुमार पहले मौजूद थे। उन्होंने हमें बताया था कि वह दिल्ली जा रहे हैं और उन्होंने सार्वजनिक रूप से भी यह बात कही थी। इसीलिए मैंने उनका नाम नहीं लिया।'' उन्होंने कहा, ''अगर कोई व्यक्ति, जो पहले ही कार्यक्रम स्थल से जा चुका है, उसका नाम नहीं लिया जाता है, तो इसमें अपमान कैसा? भाजपा यह सोचकर भ्रमित है कि इससे हमारे बीच दरार पैदा हो सकती है। वे राजनीतिक लाभ का सपना देख रहे हैं। वे हमेशा इसी भ्रम में रहेंगे।'' शिवकुमार ने भी इस प्रकरण को ज्यादा तूल नहीं दिया।

'रामसेतु पर कांग्रेस की दोहरी नीति अब ज्यादा छिप नहीं सकती', शेखावत ने गहलोत से मांगा जवाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर/जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने रविवार को जोधपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में कांग्रेस और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तीखा हमला बोला। शेखावत ने कहा कि रामसेतु जैसे धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतीक पर कांग्रेस की दोहरी नीति अब ज्यादा दिनों तक देश की नजरों से ओझल नहीं रह सकती।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि जब कांग्रेस केंद्र में सत्ता में थी, तब रामसेतु के अस्तित्व को नकारते हुए सुप्रीम कोर्ट में जो हलफनामा दाखिल किया गया, उस पर आज भी देश में सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को यह स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि उस हलफनामे के पीछे पार्टी की नीति थी या व्यक्तिगत राय। खासकर अशोक गहलोत जैसे वरिष्ठ नेता को इस मुद्दे पर सामने आकर जवाब देना चाहिए।

शेखावत ने सवाल किया कि रामसेतु को लेकर कांग्रेस पार्टी की सोच और अशोक गहलोत के व्यक्तिगत विचारों में कितना फर्क है, यह भी देश को बताया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह विषय हिंदू आस्था और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा है। इस पर किसी प्रकार की भ्रम की स्थिति लंबे समय तक स्वीकार नहीं की जा सकती।

गजेंद्र सिंह शेखावत ने भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक प्रतिबद्धता पर बोलते हुए कहा कि हमारे लिए राम, राष्ट्र और रचना तीनों एक हैं। उन्होंने व्यंग्य किया कि हमारे लिए भगवान और भजनलाल दोनों की राशि एक है, लेकिन जब कांग्रेस सत्ता में आती है तो देश पर मानो काल का साया छा जाता है।

बालक की हत्या करके शव कचरे के ढेर में दबाया

अलवर। राजस्थान में खैरथल-तिजारा जिले के मुंडावर थाना क्षेत्र में एक बालक की हत्या करके शव कचरे के ढेर में दबाने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि शनिवार दोपहर बाद करीब एक बजे मृतक लोकेश अपनी बहन के साथ दुकान पर कुरकुरे लेने गया था। वहां से लौटकर लोकेश घर के पास ही खेल रहा। कुछ देर बाद जब लोकेश घर नहीं पहुंचा तो मां ने सोचा कि आसपास ही खेल रह होगा, लेकिन जब कई घंटे बीत गये और लोकेश घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की।

पुलिस ने बताया कि शाम तक कोई सुराग नहीं मिलने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गांव में ग्रामीणों के साथ मिलकर बालक की तलाश की। रात करीब साढ़े नौ बजे लोकेश का शव घर से कुछ दूरी पर एक खंडहरनुमा मकान में कचरे के ढेर के नीचे दबा मिला। उसके सिर और हाथ पर गहरी चोटों के निशान थे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने घटनास्थल पर फॉरेंसिक दल को भी बुलाया है, जो मौके से सबूत जुटा रहा है।

आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता हो सुनिश्चित, बुनियादी सेवाओं को रखें सुचारू : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश के कारण उत्पन्न परिस्थितियों, विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में जलभराव और नदियों तथा बांधों के जलस्तर में हुई वृद्धि के संबंध में रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर उच्चस्तरीय समीक्षा की। उन्होंने प्रशासन को नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रभावित क्षेत्रों में सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ बचाव और राहत कार्यों के लिए निर्देशित किया।

शर्मा ने कहा कि बारिश से उत्पन्न स्थितियों के मद्देनजर अधिकारी अलर्ट मोड पर कार्य करते हुए त्वरित कार्यवाही करें। नदियों, तालाबों और जलाशयों के जल स्तर संबधी अपडेट लेते हुए निचले और बाढ़ संभावित इलाकों में सतत निगरानी रखी जाए। एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस और होमगॉर्ड्स के दल पर्याप्त संसाधनों के साथ अलर्ट रहें। उन्होंने प्रत्येक जिले में कंट्रोल रूम को प्रभावी रूप से संचालित करते हुए हेल्पलाइन नंबर का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए भी निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से राज्य सरकार ने 'एक पेड़ मां के नाम' एवं 'हरियालो राजस्थान' अभियान के अन्तर्गत गत वर्ष 7 करोड़ से अधिक पौधारोपण किया था। हमनें इस मानसून सीजन में भी 'हरियालो राजस्थान' के तहत 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया है। इसकी प्राप्ति हेतु पौधारोपण के लिए उपयुक्त स्थानों का चिन्हीकरण भी सुनिश्चित किया जाए। इस अभियान में शिक्षा, चिकित्सा, पंचायतीराज, वन विभाग सहित विभिन्न विभागों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए आमजन को अधिक से अधिक पौधारोपण के लिए प्रेरित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने अतिवृष्टि से प्रभावित आमजन और पशुधन को सुरक्षित जगहों पर स्थानांतरित करने के लिए भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता और सेवाओं को सुचारू रखा जाए। जलभराव क्षेत्रों में प्रभावित लोगों को पेयजल-खाद्य सामग्री सहित जरूरी वस्तुओं की कमी नहीं होनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत और विद्युत आपूर्ति सुचारू करने के लिए भी निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि क्षतिग्रस्त बांधों और नहरों की स्थिति की लगातार निगरानी करते हुए आवश्यक मरम्मत संबंधी कार्य करवाएं जाएं।

शर्मा ने जिला कलक्टरों को निर्देश दिए कि बाढ़ग्रस्त मार्गों, पुलों और नदी-नालों जैसे स्थानों पर चेतावनी संबंधी बोर्ड लगाए जाएं तथा आपदा प्रबंधन हेतु जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे राहत व बचाव कार्यों संबंधित जानकारी आमजन तक पहुंचाएं। साथ ही, विद्यार्थियों की सुरक्षा हेतु आवश्यकतानुसार निर्णय लें। इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि अतिवृष्टि की स्थिति में विशेष सावधानी बरतें। भारी बारिश, आकाशीय बिजली एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के लिए भी पूरी तरह सतर्क रहें। बाढ़ग्रस्त मार्गों, पुलों और नदी-नालों को पार करने से बचें।

बैठक में बताया गया कि संभाग मुख्यालय वाले जिलों को 20-20 लाख रुपए तथा अन्य जिलों को 10-10 लाख रुपए बाढ़ बचाव हेतु जारी किए जा चुके हैं। शासन सचिवालय परिसर में स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर नियमित रूप से संचालित है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के 36 जिलों में असामान्य और 5 जिलों में सामान्य से अधिक बारिश दर्ज की गई है। छोटे बड़े सभी बांधों की कुल भराव क्षमता लगभग 13027 एमक्यूएम है जिसमें से 67 प्रतिशत भराव हो चुका है। शर्मा ने निर्देश दिए कि सभी जिलों से जर्जर इमारतों, पानी के भराव वाले स्थानों तथा टूटी सड़कों व नदी नालों संबंधी विधानसभावार रिपोर्ट तैयार की जाएं। उन्होंने कहा कि वर्षा जनित दुर्घटनाओं में मृतकों एवं घायलों के लिए सहायता राशि संवेदनशीलता के साथ शीघ्र उपलब्ध कराई जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिला कलक्टर्स गांवों में कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत बनने वाले रिचार्ज संरचनाओं के लिए स्थानों का चिन्हीकरण कर रिपोर्ट भेजें। उन्होंने कहा कि 'वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान' के तहत प्रदेश में हुए जल संरक्षण संबंधी कार्यों की भी समीक्षा करते हुए उनके रखरखाव और सुधार हेतु अपने सुझाव भिजवाएं। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, प्रदेशभर से संभागीय आयुक्त, जिला कलक्टर, रेंज आई.जी. एवं अन्य उच्चाधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

डबल इंजन की सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मूल मंत्र पर कर रही काम : जोगाराम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, 20 जुलाई। 'हरियाळो-राजस्थान' के तहत पौधारोपण कार्यक्रम जोधपुर की पंचायत समिति लूणी की ग्राम पंचायत कांकाणी में रविवार को संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल एवं राजस्थान जीव जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह बिश्नोई के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मूल मंत्र पर काम कर रही है।

उन्होंने कहा सरकार महिला, युवा,गरीब और किसान के कल्याण की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। पटेल ने कहा जनकल्याण की योजनाएं धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू हो रही हैं, जिससे आमजन का सरकार पर विश्वास और अधिक सशक्त हुआ है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि आज़ादी के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पर्यावरण बलिदान की गौरवगाथा को राष्ट्र के समक्ष रखा। उन्होंने कहा मां अमृता देवी सहित 363 विश्नोई शहीदों का स्मरण कर उन्होंने खेजड़ी वृक्ष और प्रकृति रक्षा के लिए दिए गए बलिदान को सम्मान दिया। पटेल ने कहा गत वर्ष मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के तहत 7 करोड़ पौधे लगाए गए थे,इस वर्ष हर परिवार को जोड़ते हुए 11 करोड़ पौधे लगाने एवं पालने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा हमें गुरु जम्भेश्वर भगवान और मां अमृता देवी के स्मरण करते हुए अधिकाधिक वृक्ष लगाने है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा वृक्ष पूजन हमारी सनातन संस्कृति की अमूल्य परंपरा है। उन्होंने कहा जैसे हम देवी-देवताओं की पूजा करते हैं, वैसे ही वृक्षों की पूजा कर हम प्रकृति के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हैं। यह परंपरा हमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी संवेदनशीलता को दर्शाता है।

पटेल ने कहा जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार और अनियमितता के कारण लूणी क्षेत्र में विभिन्न परियोजनाओं का कार्य पूर्ण नहीं हुआ। उन्होंने कहा जेजेएम के अधूरी परियोजनाओं का कार्य पूर्ण कर क्षेत्र के हर घर तक नल से जल पहुंचाया जाएगा।

विकेन्द्रित सौर ऊर्जा में राजस्थान बन रहा देश का प्रमुख केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विकेंद्रीकृत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनकर उभरा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक साल में ही पीएम-कुसुम योजना के तहत 1,190 मेगावाट क्षमता जोड़ी गई है। एक बयान के अनुसार, राजस्थान में अब तक 1,305 मेगावाट की संयुक्त क्षमता वाले कुल 684 विकेंद्रीकृत सौर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं, जिनमें से 592 संयंत्र (1,190 मेगावाट) पिछले 12 महीनों में स्थापित किए गए हैं। बयान में कहा गया कि यह संयंत्र उद्योगपतियों अथवा बड़े वाणिज्यिक समूहों द्वारा नहीं बल्कि खुद किसानों द्वारा या किसी डेवलपर के साथ मिलकर खेत के समीप अपनी गैर-कृषि योग्य भूमि पर लगाए जा रहे हैं। इन सौर संयंत्रों के माध्यम से किसान अब ऊर्जादाता भी बन रहे हैं और प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता के नए युग की शुरूआत हुई है।

ये संयंत्र ग्रिड सबस्टेशन के पांच किलोमीटर के भीतर स्थापित किए जाते हैं और ताप विद्युत की तुलना में काफी कम दर यानी 2.09 रुपये से तीन रुपये प्रति यूनिट पर बिजली प्रदान करते हैं। इस योजना को अब स्वच्छ ऊर्जा और ग्रामीण आजीविका के लिए एक दोहरे समाधान के रूप में देखा जा रहा है, जहां किसान बिजली उत्पादक बन रहे हैं, वहीं बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) को कम लागत और कम नुकसान वाले वितरण का लाभ मिल रहा है। इस योजना का कार्यान्वयन अब केंद्रीय दिशानिर्देशों के अनुसार बिजली डिस्कॉम को सौंप दिया गया है, जो पहले राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम द्वारा किया जाता था।

अधिकारियों ने बताया कि समर्पित अधिकारियों की नियुक्ति, मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी करने और स्थापना में तेजी लाने के लिए भूमि एवं ऋण संबंधी मुद्दों को सुगम बनाकर प्रक्रियागत बाधाओं को दूर किया गया है।

राजस्थान के अनेक स्थानों पर बारिश का दौर जारी

जयपुर। राजस्थान में बीते 24 घंटों के दौरान पूर्वी हिस्सों के कुछ भागों में हल्की से मध्यम और एक दो स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के प्रवक्ता के अनुसार इस दौरान राज्य के पश्चिमी भाग के कई स्थानों पर हल्की से भारी बारिश हुई। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह 8.30 बजे तक समाप्त हुए बीते 24 घंटों में राज्य में सबसे अधिक बारिश माउंट आबू तहसील में दर्ज की गई, जो 145 मिमी थी। जयपुर के मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि वर्तमान में एक तंत्र दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान व आसपास के पाकिस्तान क्षेत्र के ऊपर अवस्थित है। रविवार को जैसलमेर व आसपास क्षेत्र को छोड़कर शेष अधिकांश भागों में भारी बारिश से राहत की प्रबल संभावना है। उन्होंने बताया कि 21-22 जुलाई को उत्तरी और दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की जा सकती है। उन्होंने बताया कि अगले एक सप्ताह तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश में कमी आएगी।

हालांकि, कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की जा सकती है। विभाग के अनुसार राज्य में शनिवार को सबसे अधिक तापमान श्रीगंगानगर में 36.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान सिरोही में 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में युवा पीढी की महती भूमिका : संजय शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रविवार को अलवर में वैष्णव ब्राह्मण समाज द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह के कार्यक्रम में शिरकत कर समाज के प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया। शर्मा ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को मूर्त रूप प्रदान करने में हमारी युवा पीढी की महती भूमिका है। उन्होंने कहा कि युवा पीढी को स्किल व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना तथा समाज के हर वर्ग को साथ लेकर 'सबका साथ सबका विकास' की भावना से कार्य करना राज्य सरकार की प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि समाज की ओर से प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित करना प्रेरणादायक है इससे बालक-बालिकाओं का उत्साहवर्धन होता है। उन्होंने बालिका शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि सामाजिक बदलाव लाने में शिक्षित बेटियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है तथा कोई भी समाज बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित कर ही सही मायने में उन्नति कर सकता है। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में राज्य सरकार द्वारा हरियालो राजस्थान अभियान के तहत प्रदेश में विगत वर्ष में 7 करोड 35 लाख पौधे लगाए गए थे तथा इस वर्ष 10 करोड पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को आमजन की सहभागिता से पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रकृति ने हमें बहुत कुछ दिया है, अब पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण करने का उपयुक्त समय है। अत: प्रत्येक व्यक्ति न केवल पौधा लगाए, बल्कि उनकी सार-संभाल भी करें। उन्होंने समाज के बच्चों का उत्साहवर्धन कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके बाद उन्होंने राजकीय पौधशाला मुंगस्का में अपने प्रतिदिन पौधारोपण के संकल्प के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान बना सौर ऊर्जा का सिरमौर, कुसुम योजना से किसानों की तकदीर बदली

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। सौर ऊर्जा के साथ-साथ विकेन्द्रित सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी प्रदेश देश का प्रमुख हब बनकर उभर रहा है। बीते करीब एक साल के भीतर इस क्षेत्र में प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। यह संभव हुआ है प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (कुसुम योजना) के जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन से। इसकी बदौलत राज्य में कुल 1305 मेगावाट क्षमता के 684 विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल और त्वरित निर्णय क्षमता का ही परिणाम है कि इनमें से 1190 मेगावाट क्षमता के 592 प्लांट मात्र एक साल के भीतर विकसित किए जा चुके हैं। योजना के कंपोनेंट-ए में अधिकतम 2 मेगावाट तथा कंपोनेंट-सी में अधिकतम 5 मेगावाट क्षमता तक के ग्रिड कनेक्टेड प्लांट लगाए जाने का प्रावधान है। कंपोनेंट-सी में संयंत्र स्थापित करने पर केन्द्र सरकार की ओर से प्रति मेगावाट अधिकतम 1 करोड़ 5 लाख रुपए की सहायता देय है।

सुनवाई

रविवार को कोटा स्थित निज आवास पर आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में मंत्री मदन दिलावर जनता से उनकी विभिन्न समस्याओं को सुना व उनके शीघ्र समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सम्मान सिर्फ पदक नहीं, समाज की आशा का प्रतीक है : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। देश को आगे बढ़ाना है तो युवाओं को पढ़ाना है यह संदेश राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित सामुदायिक भवन सभागार में आयोजित सिंधी प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए दिया। मुख्य अतिथि देवनानी ने कहा कि सिंधी समाज ने परिश्रम, संस्कार और शिक्षा के बल पर वैश्विक स्तर पर पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक विद्यार्थी अपने क्षेत्र में श्रेष्ठ बनने का संकल्प ले, तो समाज और राष्ट्र दोनों प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सकते हैं।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने समारोह में विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा सम्मान केवल एक पदक नहीं, बल्कि यह समाज की आशा और विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने सिंधी समाज की एकजुटता, दानशीलता और शिक्षा के प्रति समर्पण की सराहना की। समारोह की अध्यक्षता राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत ने की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को प्रेरित करते हैं। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए युवाओं से समाज और राष्ट्र के प्रति ज़िम्मेदार बनने का आह्वान किया।

समारोह की शुरुआत 'एक पेड़ मां के नाम' थीम पर पौधारोपण से हुई, जिसमें तीनों अतिथियों ने पर्यावरण के प्रति समाज की जागरूकता का संदेश दिया। संत नामदेव ट्रस्ट, पूज्य सिंधी सेंट्रल पंचायत एवं मॉडर्न एजुकेशन सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में सीए, डॉक्टर, इंजीनियर सहित समाज के 201 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री योगी ने कांवड़ियों पर फूल बरसाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुजफ्फरनगर/गाजियाबाद/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को हरिद्वार से लौट रहे कांवड़ियों का मुजफ्फरनगर के शिवचौक में हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने गाजियाबाद के दूधेश्वर नाथ मंदिर में दर्शन भी किये। व्यवसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल सहित कई लोगों ने योगी की इस पहल की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। हजारों श्रद्धालु शिव चौक पर परिक्रमा करने के बाद अपने घरों की ओर रवाना हुए। जिला प्रशासन ने 23 जुलाई को समाप्त होने वाली कांवड़ यात्रा को सुरक्षित और सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग और गंग नहर मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की हुई है।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अपने दौरे के तहत गाजियाबाद स्थित प्राचीन दूधेश्वर नाथ मंदिर में पूजा की। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि योगी रविवार सुबह गाजियाबाद स्थित सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ महादेव मठ मंदिर पहुंचे। मंदिर परिसर में मुख्यमंत्री का स्वागत दूधेश्वरनाथ वेद पाठशाला के विद्यार्थियों ने पारंपरिक सनातनी परंपरा से किया। मुख्यमंत्री ने मंदिर में भगवान दूधेश्वरनाथ का विधिपूर्वक रुद्राभिषेक किया। इस दौरान बड़ी संख्या में जनसमूह उमड़ पड़ा। योगी ने श्रावण मास के पावन अवसर पर गाजियाबाद से श्रावण कांवड़ मेले की विधिवत शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि दूधेश्वरनाथ मंदिर आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति का जीवंत प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने दूधेश्वर पीठाधीश्वर श्रीमहंत नारायण गिरी जी महाराज के संरक्षण में हो रहे धार्मिक और सांस्कृतिक विकास की सराहना की। मंदिर के मुख्य पुजारी महंत नारायण गिरि ने पत्रकारों को बताया कि भगवान शिव को गंगा जल अर्पित करने के बाद मुख्यमंत्री ने मार्ग का निरीक्षण किया और अधिकारियों को किसी भी बाधा को दूर करने के निर्देश दिए।

असामाजिक तत्व कांवड़ यात्रा की आड़ में माहौल खराब करने की कोशिश कर सकते हैं : मुख्यमंत्री योगी

मेरठ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि कुछ असामाजिक तत्व कांवड़ यात्रा की आड़ में माहौल खराब करने की कोशिश कर सकते हैं। योगी ने मेरठ में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''कांवड़ यात्रा श्रद्धा, अनुशासन और लोक कल्याण की प्रतीक है। सरकार की प्राथमिकता है कि यह यात्रा निर्विघ्न संपन्न हो, लेकिन जो भी व्यक्ति हुड़दंग या तोड़फोड़ करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कानून हाथ में लेने की किसी को अनुमति नहीं है।'' मुख्यमंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि उपद्रवियों से निपटने के लिए पुलिस दस्ते तैयार हैं और कांवड़ यात्रा समाप्त होने के बाद उपद्रवियों को चिन्हित कर उनके पोस्टर लगाने का काम भी होगा। उन्होंने कहा कि यात्रा मार्गों की निगरानी के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से उपद्रवियों की पहचान कर उन्हें चिन्हित किया जा रहा है।

अलग-अलग हादसों में दो कांवड़ियों की मौत, आठ घायल

मुजफ्फरनगर (उप्र)/भाषा। मुजफ्फरनगर जिले में दिल्ली-हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग पर दो अलग-अलग हादसों में दो कांवड़ियों की मौत हो गई तथा आठ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पहली घटना में कैराना निवासी अभिषेक (28) नामक एक कांवड़िये की शनिवार देर रात छपार थाना क्षेत्र में बरला पुल के पास दो मोटरसाइकिलों की जोरदार टक्कर में मौत हो गई तथा चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। उन्होंने बताया कि अभिषेक और उसका दोस्त मनीष कटारिया गंगा नदी से पवित्र जल लेने के लिए कैराना से हरिद्वार जा रहे थे, तभी उनकी मोटरसाइकिल विपरीत दिशा से आ रहे एक अन्य दोपहिया वाहन से टकरा गई। अभिषेक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। एक अन्य घटना में शनिवार को पुरकाजी थाना क्षेत्र के सलीमपुर बाईपास के पास दो मोटरसाइकिलों की टक्कर में अनिल (23) नामक कांवड़िये की मौत हो गई तथा चार अन्य घायल हो गये। अधिकारियों के अनुसार अनिल और उसका दोस्त घनश्याम गंगाजल लेने के लिए नोएडा से हरिद्वार जा रहे थे तभी उनकी मोटरसाइकिल एक अन्य बाइक से टकरा गई। इस घटना में घायल हुए लोगों को अस्पताल ले जाया गया है जहां उनकी हालत स्थिर बताई जाती है। इस बीच, पुरकाजी थाना क्षेत्र में दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूराहेड़ी चेकपोस्ट पर तोड़फोड़-रोधी दल ने यात्रियों और सामान की गहन जांच शुरू कर दी है।

बुनियादी अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे ईंट भट्टों पर काम करने वाले प्रवासियों के बच्चे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बुलंदशहर/अलीगढ़/भाषा। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में चिलचिलाती गर्मी में 12 वर्षीय रजनी अपनी छोटी बहन को गोद में लिए हुए झोपड़ी के बाहर काले पड़ चुके एल्युमीनियम के बर्तन में दाल उबाल रही है।

जैसे ही पतली दाल तैयार होने लगती है, वह बर्तन में और पानी डाल देती है ताकि भोजन को थोड़ा और पकाया जा सके। पानी न डालने पर उसके आठ सदस्यों वाले परिवार के लिए दाल पर्याप्त नहीं होती। जब रजनी से पूछा गया कि इसका स्वाद कैसा है, तो उन्होंने रक्षात्मक लहजे में जवाब दिया, यह बुरा नहीं है... यह बिना खाए रहने से तो बेहतर है।

वह कहती हैं कि फल दुर्लभ होते हैं - आमतौर पर ये तभी मिलते हैं जब कोई स्थानीय किसान बचे हुए पके फलों को फेंक देता है। रजनी ने मुस्कुराते हुए कहा, इस साल मैंने बहुत सारे आम खाए। उसका इशारा पेडों से गिरने वाले पके आमों की ओर था, जिन्हें टपका कहा जाता है। रजनी और उसके दोस्तों को इन आमों को इकट्ठा करने की अनुमति दी गई है। रजनी का परिवार उन हजारों प्रवासी परिवारों में से एक है जो हर साल पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विशाल ईंट भट्टों में काम करने के लिए आते हैं।

इन भट्टों से कुछ कमाई तो हो जाती है, लेकिन इसके वास्तविक परिणाम रजनी जैसे बच्चों को उठाने पड़ते हैं, जो शिक्षा, पर्याप्त भोजन या स्वास्थ्य देखभाल के बिना बड़े होते हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी गरीबी व अदृश्य श्रम चक्र में फंस जाते हैं।

साल 2021 में, सरकार द्वारा संसद में प्रस्तुत आंकड़ों से पता चला कि पंजीकृत ईंट भट्टों में 1.74 करोड़ श्रमिक काम करते हैं, जबकि स्वतंत्र शोध से पता चला है कि इनमें 20 प्रतिशत बाल श्रमिक होते हैं। 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन' के संस्थापक व बाल अधिकार कार्यकर्ता भुवन रिभु ने कहा, इसलिए, मोटे तौर पर यह माना जा सकता है कि लगभग 35 लाख बच्चे ईंट भट्टों में काम कर रहे हैं, और अवैध भट्टों में यह संख्या संभवतः अधिक है।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई मुठभेड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के एक जंगल में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच रविवार को मुठभेड़ हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि यह संक्षिप्त मुठभेड़ उस वक्त शुरू हुई, जब पुलिस ने भारतीय सेना की सहायता से दच्छन और नागसेनी के बीच स्थित खानकू जंगल में आतंकवादियों की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों को देखकर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद उन्होंने भी जवाबी कार्रवाई की।

अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच कुछ देर तक मुठभेड़ जारी रही, लेकिन इसमें किसी के हताहत होने की फिलहाल कोई खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों को भेजा गया है। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों का पता लगाने और उन्हें मार गिराने के लिए तलाश अभियान जारी है।

वक्फ कानून की आलोचक कांग्रेस और अन्य पार्टियां मुसलमानों को वोट बैंक बनाकर रखना चाहती हैं : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने आरोप लगाया है कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम की आलोचना करने वाली कांग्रेस और कुछ अन्य पार्टियों का मूल उद्देश्य मुसलमानों को अपना वोट बैंक बनाकर रखना है। रीजीजू ने कहा कि मोदी सरकार ''किसी का तुष्टीकरण नहीं, सबको न्याय'' में विश्वास करती है।

ऐसे में जब उच्चतम न्यायालय ने मई में वक्फ मामले में दोनों पक्षों को सुनने के बाद तीन प्रमुख मुद्दों पर अंतरिम आदेश सुरक्षित रख लिया था, रीजीजू ने कहा कि चूंकि मामला उच्चतम न्यायालय में लंबित है, इसलिए वह इस पर अभी कोई पूर्वानुमानात्मक बयान नहीं देंगे।

रीजीजू ने 'पीटीआई-वीडियो' के साथ एक साक्षात्कार में कहा, ''लेकिन एक बात हम बहुत स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं- संसद का काम कानून बनाना है। उच्चतम न्यायालय निश्चित रूप से उसकी सही तरीके से व्याख्या कर सकता है।'' रीजीजू ने कहा, ''हमें पूरा विश्वास है कि जो कुछ भी हमने किया है, वह कानून, संविधान के प्रावधानों और उसकी भावना के अनुरूप है। मुझे पूरा भरोसा है कि संसद की भूमिका को कोई नहीं छीन सकता।'' ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी द्वारा नये वक्फ कानून की आलोचना पर उन्होंने कहा, ''मैं ओवैसी की आलोचना नहीं करना चाहता, क्योंकि उन्होंने वक्फ (संशोधन) अधिनियम का विरोध मजबूरी में किया है।''

मंत्री ने कहा, ''मुख्य समस्या वही है, जो मैं आपको बता रहा हूं। कांग्रेस पार्टी समेत कुछ नेताओं ने मुसलमानों को वोट बैंक की तरह समझा है। जब आप किसी समुदाय को वोट बैंक बनाना शुरू कर देते हैं, तो आप अतार्किक हो जाते हैं।'' उन्होंने कहा, ''फिर आप उन्हें एक श्रेणी में रख देते हैं, चाहे अच्छा हो या बुरा, फर्क नहीं पड़ता...।'' उन्होंने कहा कि इसलिए, जो लोग वक्फ (संशोधन) विधेयक की आलोचना कर रहे हैं, वे मुसलमानों को गरीब बनाये रखने और उन्हें अपना वोट बैंक बनाये रखने की कोशिश कर रहे हैं। रीजीजू ने कहा, ''हमारी सोच इसके विपरीत है। हमारी सोच किसी का तुष्टिकरण नहीं, बल्कि सभी को न्याय देने की है।''

मंत्री ने शुक्रवार को 'पीटीआई' से कहा कि मुस्लिम समुदाय में कई ऐसे लोग, समूह, महिलाएं, बच्चे और पिछड़े समुदाय हैं, जिन्हें वक्फ संपत्तियों से कोई लाभ नहीं मिला है। उन्होंने कहा, ''तो, जैसा कि आप भली-भांति जानते हैं, भारत में वक्फ संपत्तियों की संख्या दुनिया में सबसे ज़्यादा है। 9,70,000 से ज़्यादा वक्फ संपत्तियां हैं, जिनका उपयोग उसी उद्देश्य के लिए किया जाना चाहिए जिसके लिए वे संपत्तियां बनाई गई थीं।''

'ऑपरेशन सिंदूर' की मार से पाकिस्तान से ज्यादा तो गांधी परिवार 'कराह' रहा : केशव प्रसाद मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' की मार से पाकिस्तान से ज्यादा तो गांधी परिवार 'कराह' रहा है।

मौर्य ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा लोकसभा में विपक्ष के हल्के नेता श्री राहुल गांधी को भारत की चिंता कम, पाकिस्तान की फ़िक्र ज़्यादा रहती है। तभी, 'ऑपरेशन सिंदूर' की मार से पाकिस्तान से ज्यादा तो गांधी परिवार 'कराह' रहा है। उन्होंने पोस्ट में कहा भारतीय सेना का बार-बार अपमान कांग्रेस इसलिए करती है, ताकि पड़ोसी भाईजान पाकिस्तान को खुश किया जा सके।मौर्य ने कहा, दरअसल, सत्ता की बेदख़ली ने कांग्रेस की मति मार दी है, इसलिए वह दुनिया के ऐसे भ्रमित नेताओं की ओट (आड़) लेने को मजबूर है जो अपने बयानों पर स्थिर नहीं रहते हैं। अपने गांधी जी की तरह वह भी अस्थिर चित्त वाले हैं। उन्होंने ने कहा, सच यह है कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व ने केवल पाकिस्तान ही नहीं बल्कि दुनिया के उन नेताओं की भी नींद उड़ा दी है जो अपने को तुर्रमखां समझते थे।

देश में वित्तीय संकट से जूझ रही है प्राकृतिक रूप से रंगीन कपास की खेती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में प्राकृतिक रूप से रंगीन कपास की खेती वैश्विक मांग और दशकों से चल रहे सरकारी शोध प्रयासों के बावजूद मुश्किल दौर से गुजर रही है।

यह व्यवसाय 1940 के दशक में तेजी से बढ़ रहा था। हालांकि, इस समय यह विशेष फसल कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में केवल 200 एकड़ में उगाई जाती है।

इसकी कीमत 240 रुपए प्रति किलोग्राम है, जो सामान्य कपास (160 रुपए प्रति किलोग्राम) से 50 प्रतिशत अधिक है। किसान कम पैदावार के कारण रंगीन कपास की खेती करने से हिचकिचा रहे हैं।

आईसीएआर-केंद्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीआईआरसीओटी) के प्रमुख वैज्ञानिक अशोक कुमार ने पीटीआई-भाषा को बताया, ''हल्के भूरे रंग के कपास की उत्पादकता बहुत कम यानी 1.5-2 क्विंटल प्रति एकड़ है, जबकि सामान्य कपास की उत्पादकता 6-7 क्विंटल प्रति एकड़ है। इसलिए किसान इस फसल की अधिक खेती नहीं करते हैं।'' कृषि वैज्ञानिक इस समय हल्के भूरे रंग के कपास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

कांग्रेस ने बेरोजगारी को लेकर बिहार सरकार की आलोचना की

राहुल बोले- भाषण नहीं, नौकरी चाहते हैं युवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

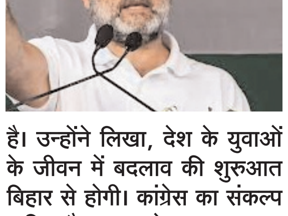

नई दिल्ली/भाषा। पटना में भारतीय युवा कांग्रेस के रोजगार मेले में उमड़ी भारी भीड़ का हवाला देते हुए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा और उसके ''अवसरवादी'' सहयोगियों ने बिहार के युवाओं को बेरोजगारी के दलदल में धकेल दिया है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि यह परिवर्तन की शुरुआत है और बिहार के युवा अब भाषण नहीं, बल्कि अपने भविष्य को आकार देने के लिए रोजगार चाहते हैं। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, बिहार में भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा आयोजित महारोजगार मेले में उमड़े जन-सैलाब से ये साबित हो गया है कि भाजपा और उसके अवसरवादी सहयोगियों ने बिहार के युवा को बेरोजगारी के दलदल में धकेल दिया है। उन्होंने लिखा, देश के युवाओं के जीवन में बदलाव की शुरुआत बिहार से होगी। कांग्रेस का संकल्प अडिग है हुनर को हक़, हर युवा को रोज़गार, रुके पलायन, साथ रहे हर परिवार। गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, महारोजगार मेले में उमड़ा यह जनसैलाब सिर्फ एक भीड़ नहीं, एक संदेश है कि - बिहार का युवा अब भाषणों पर नहीं, रोज़गार से अपना भविष्य चाहता है। उन्होंने लिखा, भाजपा और नीतीश सरकार ने बिहार को जिस तरह बेरोज़गारी की आग में झोंका, वहां से लाखों युवाओं को रोज़ी-रोटी के लिए पलायन करना पड़ता है - अपना गांव, अपना परिवार सब कुछ पीछे छोड़ना पड़ता है।

साजिश के तहत विभागों का निजीकरण कर रही है भाजपा सरकार : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 'युवा विरोधी' करार देते हुए रविवार को कहा कि सत्तारूढ़ दल ने साजिश के तहत सभी विभागों का निजीकरण करके नौकारियों को संविदा आधारित कर दिया जिससे नौजवानों की जिंदगी अंधकारमय हो गई।

यादव ने यहां एक बयान में आरोप लगाते हुए कहा, ''भाजपा ने छात्रों और नौजवानों का भविष्य बर्बाद कर दिया है। आज छात्रों और युवाओं के पास नौकरी और रोजगार नहीं है। भाजपा सरकार ने सभी विभागों की नौकरियों को संविदा और आउटसोर्स करके नौजवानों की जिंदगी में अंधेरा कर दिया है।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''भाजपा एक साजिश के तहत विभागों का निजीकरण कर रही है। अब बिजली विभाग इस सरकार के निशाने पर है। बिजली व्यवस्था को अपने चहेतों को देकर सरकार बड़ी संख्या में युवाओं को नौकरी और आरक्षण से वंचित करने का षडयंत्र कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि भाजपा के पास युवाओं के भविष्य को लेकर कोई रोड मैप नहीं है और हर मुद्दे पर नाकाम हो चुकी भाजपा सरकार समाज में नफरत और भेदभाव फैलाने में जुटी हुई है।

पटना अस्पताल हत्याकांड का मुख्य आरोपी और उसके तीन साथी गिरफ्तार

पटना/भाषा। बिहार पुलिस ने रविवार को कहा कि उसने पटना के एक निजी अस्पताल में गैंगस्टर चंदन मिश्रा की हत्या के मुख्य आरोपी और उसके तीन साथियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार लोगों में मुख्य आरोपी तौसीफ उर्फ बादशाह और तीन अन्य शामिल हैं। इन्हें बिहार और पश्चिम बंगाल की पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में शनिवार शाम कोलकाता से गिरफ्तार किया और बाद में पटना लाया गया। बिहार पुलिस ने रविवार को एक बयान जारी कर कहा, '' शस्त्र अधिनियम के मामले में पुलिस द्वारा वांछित मुख्य आरोपी तौसीफ और उसके तीन अन्य सहयोगियों को बिहार और कोलकाता पुलिस की संयुक्त टीम ने शनिवार को कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया।''

भारतीय सितारों के बहिष्कार के बाद डब्ल्यूसीएल में भारत-पाकिस्तान मैच रद्द

बर्मिंघम/भाषा। पहलगाम में अप्रैल में हुए आतंकवादी हमले का हवाला देकर शिखर धवन समेत कई भारतीय सितारों के खेलने से इनकार के बाद डब्ल्यूसीएल में भारत और पाकिस्तान के 'वेटरन' खिलाड़ियों के बीच रविवार को यहां होने वाला मैच रद्द कर दिया गया है । बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन इस चैम्पियनशिप के सह मालिक है और इसका दूसरा सत्र 18 जून को एजबेस्टन में शुरू हुआ था। इसका फाइनल मुकाबला दो अगस्त को खेला जाएगा। विश्व कप विजेता युवराज सिंह इंडिया चैम्पियंस टीम के कप्तान है जिसमें हरभजन सिंह, इरफान पठान, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा और वरुण आरोन जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं।

हम परिस्थितियों से जल्दी सामंजस्य नहीं बिठा सके : मंधाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे एकदिवसीय में इंग्लैंड से हार के बाद स्वीकार किया कि भारतीय खिलाड़ी लॉर्ड्स मैदान की मुश्किल परिस्थितियों के अनुकूल नहीं ढल पाए और बल्लेबाजों ने समझदारी भरे शॉट नहीं खेले।

भारत ने साउथम्पटन में खेले गये पहले मैच में चार विकेट से जीत हासिल की लेकिन शनिवार को लॉर्ड्स में खेले गये बारिश से प्रभावित मुकाबले में उन्हें आठ विकेट से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। उप-कप्तान मंधाना (42) और दीप्ति शर्मा (30 नाबाद) को छोड़कर कोई भी भारतीय बल्लेबाज इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने चुनौती पेश करने में विफल रहा। भारतीय टीम 29 ओवर में आठ विकेट पर 143 रन ही बना सकी।

मंधाना ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' मुझे लगता है कि बल्लेबाजी इकाई के तौर पर हम परिस्थितियों के अनुकूल जल्दी नहीं ढल पाये। हमने कुछ ऐसे शॉट खेलने की कोशिश की जो लॉर्ड्स जैसी पिच शायद आसान नहीं थे।'' मंधाना ने स्वीकार किया कि मैच शुरू होने से पहले बारिश के कारण लंबे ब्रेक से खिलाड़ियों की एकाग्रता प्रभावित हुई। उन्होंने कहा, ''बारिश से प्रभावित मैच में ध्यान केंद्रित करना हमेशा बहुत मुश्किल होता है। हमें मैच शुरू होने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। इस तरह के मैचों में टॉस अगर आपके पक्ष में नहीं रहा तो मुश्किलें और बढ़ सकती है। यह हम सभी के लिए एक कड़ी चुनौती थी। हम कुछ पहलुओं पर और बेहतर कर सकते थे।''

इस खब्बू बल्लेबाज ने कहा कि कहा कि लॉर्ड्स में रन बनाना हमेशा मुश्किल काम होता है और उनकी टीम कुछ महत्वपूर्ण सबक लेकर वापस लौटेगी। उन्होंने कहा, ''कई खिलाड़ियों को लॉर्ड्स में पहली बार खेलने का मौका मिला। उत्साह काफी ज्यादा था। इसलिए मुझे यकीन है कि बहुत से इन खिलाड़ियों ने काफी कुछ सीखा होगा।''

आकाश दीप, अर्शदीप के कवर के तौर पर तेज गेंदबाज कम्बोज भारतीय टीम में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैनचेस्टर/भाषा। इंग्लैंड के खिलाफ 23 जुलाई से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट के लिये फिट होने की कोशिशों में जुटे आकाश दीप और अर्शदीप सिंह के कवर के तौर पर तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज को भारतीय टीम में शामिल किया गया है । ग्रोइन की चोट से जूझ रहे आकाश दीप ने दूसरा और तीसरा टेस्ट खेला था जबकि अर्शदीप इस शृंखला में अभी तक नहीं खेल सके हैं ।

आकाश दीप की उपलब्धता पर कोई स्पष्टता नहीं है जबकि अर्शदीप का मैनचेस्टर टेस्ट में खेलना मुश्किल ही लग रहा है जिसकी वजह से चयनकर्ताओं ने कम्बोज को बुलाया ।

अर्शदीप को नेट सत्र के दौरान साइ सुदर्शन का एक शॉट बचाते समय बायें हाथ में चोट लगी थी ।

सहायक कोच रियान टेन डोइशे ने कहा था ,'' हम मैनचेस्टर टेस्ट पास आने पर टीम संयोजन के बारे में फैसला लेंगे, खासकर अर्शदीप की स्थिति को ध्यान में रखते हुए ।'' उन्होंने कहा था ,'' उसे कट लगा है लेकिन देखना है कि यह कितना गहरा है । मेडिकल टीम उसे डॉक्टर के पास ले गई है और देखना है कि उसे टांके आते हैं या नहीं ।''

कम्बोज ने टेस्ट शृंखला से पहले इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैचों में भारत ए के लिये अच्छा प्रदर्शन किया । उन्होंने नॉर्थम्पटन और कैंटरबरी में चार पारियों में पांच विकेट लिये । उन्होंने पिछले साल केरल के खिलाफ लाहली में रणजी ट्रॉफी मैच में हरियाणा के लिये एक पारी के दस विकेट चटकाये थे । वह बंगाल के प्रेमांग्शु चटर्जी (1956 . 57) और राजस्थान के प्रदीप सोमासुंदरम (1985 . 86) के बाद यह कारनामा करने वाले तीसरे गेंदबाज बने थे । उन्होंने पिछले सत्र में छह रणजी मैचों में 34 विकेट लिये थे।

सुविचार

आप तब तक नहीं हार सकते, जब तक आप कोशिश करना नहीं छोड़ देते।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ट्रंप का शांति नाटक

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत-पाकिस्तान के बीच हाल के सैन्य टकराव के बारे में जिस तरह बयान दे रहे हैं, उससे ऐसे स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि उन्होंने अपने पद की प्रतिष्ठा को पलीता लगाने का दृढ़ निश्चय कर लिया है। खुद को 'शांति पुरुष' के तौर पर प्रचारित करने की उनकी सनक बढ़ती ही जा रही है। बेहतर होगा कि कोई संस्था उन्हें ऐसी उपाधि देकर संतुष्ट कर दे, अन्यथा अमेरिकी राष्ट्रपति का बड़बोलापन नई ऊंचाई को छू लेगा, जो पहले ही बेलगाम हो चुका है। ट्रंप पांच विमानों के मार गिराए जाने का दावा करते हैं। इससे पहले, वे कह चुके हैं कि उन्होंने हस्तक्षेप कर सैन्य टकराव रुकवाया था। वे इस दावे को दोहराते रहते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने जब से पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर से मुलाकात की है, उन्होंने विचित्र बयानों की झड़ी लगा दी है। संगति का असर पड़ता ही है। ट्रंप ने जिन पांच विमानों के बारे में दावा किया है, वे निश्चित रूप से पाकिस्तान के ही होंगे। भारत के सभी पायलट सुरक्षित हैं, जबकि पाकिस्तानी मिसाइलों और ड्रोनों को हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने तबाह कर दिया था। पाकिस्तानी लड़ाकू विमान भी उसकी चपेट में आए होंगे। क्या ऐसी बयानबाजी के जरिए ट्रंप अपने 'मित्र' मुनीर को यह चेतावनी देना चाहते हैं कि मेरी 'हां में हां' मिलाते रहें, अन्यथा मैं आपकी पोल खोल दूंगा, जिससे फील्ड मार्शल की उपाधि धरी की धरी रह जाएगी? ट्रंप पाकिस्तान के परमाणु हथियारों का जिक्र कर क्या संदेश देना चाहते हैं? क्या भारत को धमकी दे रहे हैं? जहां तक पाकिस्तान के परमाणु हथियारों का सवाल है तो उनकी ताकत हम कारगिल युद्ध में आजमा चुके हैं।

इस पड़ोसी देश के तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ ने ऐसी धमकी दी थी, लेकिन भारत ने अपना सैन्य अभियान जारी रखा और पाकिस्तानी घुसपैठियों का खात्मा किया था। कई घुसपैठिए तो जान बचाने के लिए उल्टे पांव भागे थे। आज डोनाल्ड ट्रंप परमाणु हथियारों के नाम पर कोई दबाव बनाना चाहते हैं तो उन घुसपैठियों से ही एक बार पूछ लें कि उनकी कैसी दुर्गति हुई थी? ट्रंप अपने 'मित्र' मुनीर से ही पूछ लें। वे उन दिनों मेजर या लेफ्टिनेंट कर्नल रहे होंगे। परमाणु हथियारों की धमकियां भारत के सामने नहीं चलेंगी। पाकिस्तान में इतनी हिम्मत नहीं कि वह भारत पर परमाणु हमला कर सके, क्योंकि वह जानता है कि उसके बाद भारत की प्रतिक्रिया कितनी भयानक होगी! पाक को इतना मौका ही क्यों मिलेगा? क्या उसके परमाणु ठिकानों पर भारत के उपग्रहों की नजर नहीं जाएगी? क्या उसकी मिसाइलों की सूचना दिल्ली को तुरंत नहीं मिल जाएगी? ये पाकिस्तानी जनरल पैसा कमाने और प्रॉपर्टी बनाने में व्यस्त हैं। क्या ये चाहेंगे कि इनके मौज-शौक एक ही झटके में नष्ट हो जाएं? कभी नहीं। भारत में कुछ लोग ट्रंप के बेबुनियाद बयानों को गंभीरता से ले रहे हैं। उन्हें इसके बजाय पाकिस्तानी जनरलों की मानसिकता को समझना चाहिए। ये न तो भारत के साथ पूरी तरह शांति चाहते हैं और न बड़ा युद्ध चाहते हैं, क्योंकि दोनों ही इनके अस्तित्व के लिए खतरा हैं। अगर शांति स्थापित हो गई तो पाकिस्तान को इतनी बड़ी फौज की जरूरत ही नहीं रहेगी। इसी तरह, अगर बड़ा युद्ध हो गया तो पाकिस्तान को भारी नुकसान होगा। वर्ष 1971 की यादें पाकिस्तानी जनरलों को आज भी डराती हैं। ये भारत के साथ हमेशा इतना टकराव बनाकर चलेंगे कि उसकी आंच इनके ऐशो-आराम तक न पहुंचे। डोनाल्ड ट्रंप का दु:ख यह है कि मुनीर झूठ बोलकर फील्ड मार्शल बन गए, उनके कंधों पर सितारे बढ़ गए, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति जहां पहले थे, आज भी वहीं हैं।

ट्वीटर टॉक

बटुकेश्वर दत्त नि:स्वार्थ राष्ट्रप्रेम, निस्पृह देशभक्ति से ब्रिटिश सत्ता को चुनौती देने वाले योद्धा ही नहीं थे, अपितु वे उस विचारधारा के प्रतिनिधि थे, जिसने आत्मबलिदान को राष्ट्रसेवा का सर्वोच्च माध्यम माना। उनका सम्पूर्ण जीवन सत्य के लिए समर्पित रहा।

-ओम बिरला

नीतीश सरकार ने बिहार को जिस तरह बेरोज़गारी की आग में झोंका, वहां से लाखों युवाओं को रोज़ी-रोटी के लिए पलायन करना पड़ता है - अपना गांव, अपना परिवार सब कुछ पीछे छोड़ना पड़ता है। बिहार के युवा कर्मठ हैं, काबिल हैं, होनहार हैं।

-राहुल गांधी

राजस्थान सरकार के माध्यम से टर्म लोन के तहत 100 करोड़ रुपए स्वीकृत होने और इसमें से पेंशनर्स के लिए 50 करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किए जाने पर सभी ने माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा जी का आभार व्यक्त किया।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

लोभ का कांटा

एक बार अवधूत दत्तात्रेय नदी के किनारे टहल रहे थे। उन्होंने देखा कि एक मछुआरा नदी के तट पर बैठा था और वह लोहे के बने एक छोटे कांटे पर मांस का टुकड़ा लगा रहा था। दत्तात्रेय ने उससे पूछा, 'भैया, तुम यह मांस कांटे पर क्यों लगा रहे हो?' मछुआरे ने उत्तर दिया, 'मैं इस मांस के टुकड़े को पानी में डाल दूंगा। मांस के लालच में मछली उस कांटे पर झपटेगी, और कांटे से उसका मुंह फंस जाएगा। तब मैं उसे पकड़ लूंगा।' दत्तात्रेय ने पुन: पूछा, 'यदि मछली मांस निगलकर कांटा उगल भी दे, तो वह कैसे फंसेगी?'

मछुआरे ने हंसते हुए कहा, 'बाबा, क्या आप इतना भी नहीं जानते कि विषयों को निगलना तो आसान है, पर उन्हें उगलना अत्यंत कठिन।' यह सुनते ही दत्तात्रेय जी को शास्त्र का वचन याद आ गया कि जब प्राणी लोभ, लालच, मोह और ममता के जाल में फंस जाता है, तो वह दुखों के सागर में डूब जाता है। वह भले ही सांसारिक सुखों को दुख का कारण जान ले, फिर भी उनसे मुक्ति का मार्ग खोज नहीं पाता।

सामयिक

अखाड़ा न बने संसद

प्रमोद भार्गव
मोबाइल : 9981061100

इक्कीस जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र को गर्माए रखने के लिए कांग्रेस समेत लगभग समूचे विपक्ष ने अपने-अपने हथियार भांज लिए हैं। यह आशंका कायम है कि विपक्षी दल संसद को ठप बनाए रखने में ही अपना समय जाया करेंगे। इस सत्र में लंबे समय तक चलने वाला हंगामा बिहार में मतदाता सूची के गहन परीक्षण को लेकर हो सकता है। चुनाव आयोग की इस बड़े प्रयास पर समूचा विपक्ष बड़े राजनीतिक संग्राम की तैयारी में जुटा है। लोकसभा चुनाव की तरह एक बार फिर से इस मुद्दे पर इंडिया गठबंधन के दल एकजुट होते दिखाई दे रहे है। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने इन मुद्दों को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से बैठक भी की है। इस हंगामें में मुख्य रूप से कांग्रेस, राजद और तृणमूल कांग्रेस कार्यस्थगन प्रस्ताव ला सकते हैं। अतएव आशंका है कि बिहार में इस साल के अंत में होने वाले चुनाव को लेकर संसद में गतिरोध बनाए रखने की कोशिश युद्धस्तर पर होगी। सत्ता पक्ष के लिए राहत की बात यह है कि निर्वाचन आयोग के बिहार की मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण पर सर्वोच्च न्यायालय ने रोक नहीं लगाई है, इस मामले में अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी। अतएव विपक्ष इस मुद्दे के न्यायालय में विचाराधीन होने के बहाने को सुरक्षा कवच के रूप में इस्तेमाल करेगी।

सरकार ने इस सत्र में 8 नए विधेयक संसद के दोनों सदनों से पारित कराने के लिए सूचीबद्ध किए हैं। इन विधेयकों में मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर संशोधन विधेयक-2025, सार्वजनिक न्यास प्रणाली (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक-2025, भारतीय प्रबंधन संस्थान संशोधन विधेयक-2025, पुरातत्व धरोहर स्थल और अवशेष (संरक्षण और देखरेख विधेयक-2025, राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक-2025 एवं राष्ट्रीय डोपिंग (कचरा) रोधी संशोधन विधेयक-2025 शामिल हैंय इन विधेयकों पर सहमति बनाए जाने की चर्चा से पहले विपक्ष चाहेगा कि पहलगाम हमले में गुप्तचर तंत्र की नाकामी, सैन्य ऑरेशन सिंदूर के दौरान विदेशी हस्तक्षेप, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता के दावों के बीच सेना के अभियान को अचानक क्यों रोका गया जैसे मुद्दों पर संसद के दोनों सदनों में चर्चा हो। विपक्ष की मंशा, मुद्दों की सचाई से कहीं ज्यादा सरकार को घेरना है। सत्तारुढ़ पक्ष इन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दे बताकर चर्चा से बचने की कोशिश कर सकता है ? इन बड़े मुद्दों के अलावा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के निवास में लगी आग के दौरान नकद धनराशि जलने के मामले में महाअभियोग लाने की पैरवी करने के साथ ओडीसा की छात्रा के साथ हुए अत्याचार जैसे मुद्दे भी सदन में गरमा सकते हैंय न्यायमूर्ती वर्मा के मामले में सरकार को उम्मीद है कि यदि वह इस मुद्दे पर महाअभियोग चलाने का प्रस्ताव लाती है तो उसे सभी दलों का समर्थन मिल सकता है। संभव है इस प्रक्रिया के शुरू होने से पहले वर्मा इस्तीफा दे देंय यदि नहीं देते हैं तो संसद में इस मुद्दे पर तीखी बहस संभव है। जिससे सत्तारुढ़ दल से कहीं ज्यादा न्यायिक साख प्रभावित होगी। यदि बहस होती है तो न्यायाधीशों की मनमानी नियुक्ति प्रक्रिया पर भी गहन विमर्श होना तय है।

कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल मतदाता सूची को लेकर आक्रामक रुख अपनाए हुए हैंय जबकि सत्तारुढ़ दल चुनाव आयोग की जानकारी के आधार पर विपक्ष के आरोपों का जबाव देने की तैयारी कर रहा है। बावजूद तेलगु देशम पार्टी द्वारा मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण पर सवाल उठाए जाने से सरकार की चुनौतियां बढ़ी हुई हैंय इधर निर्वाचन आयोग के मुख्य आयुक्त ज्ञानेश कुमार का ऐसा बयान आया है, जिसे सरकार अपनी ढाल बनाने का काम करेगी। ज्ञानेश कुमार ने कहा है कि बिहार में एसआइआर के तहत मतदाता सूची को दुरुस्त करने के प्रयास में मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी देखने में आई है। बिहार के 7.9 करोड़ मतदाताओं में से महज 6.85 प्रतिशत मतदाताओं ने अब तक विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत गणना फार्म नहीं भरे हैंय यानी आयोग ने अंतिम तिथि से 9 दिन पहले ही 93 फीसदी काम पूरा कर लिया है।

बिहार में कुल 7.9 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से 6 करोड़ 99 लाख 92 हजार 926 मतदाताओं ने 1 अगस्त 2025 को प्रकासित होने वाली मसविदा मतदाता सूची में शामिल होने के लिए अपने गणना फार्म भर दिए है। हालांकि राहुल गांधी, ममता बनर्जी और तेजस्वी यादव ने इस कवायद पर कई प्रश्न खड़े कर दिए हैं, जिन पर संसद में गरमा-गरम बहस हो सकती है। दरअसल समूचा विपक्ष इसलिए चिंतित है, क्योंकि पहली बार बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के नाम मतदाता सूचियों से हटाए जाने की आधीकारिक प्रक्रिया शुरू हुई है। यही वह समय है, जब राज्यों में सत्तारुढ़ भाजपा सरकारें घुसपैठियों को देश से विस्थापित करने के राष्ट्रहितैषी काम में लगी हैं।

इस बाबत असम के परिप्रेक्ष्य में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने ठीक ही कहा है कि असम जैसे राज्य में घुसपैठिए एक ही धर्म के लोग हैं, जो कांग्रेस समेत गैर भाजपा दलों को वोट करते हैं। इन घुसपैठियों को बाहर कर देने से ये दल हार के खतरे को अनुभव कर रहे हैं। जबकि घुसपैठिए कई राज्यों का जनसांख्यिकी घनत्व बिगाड़ने का काम कर रहे हैं। पुनरीक्षण में यह बात सामने आई है कि असम के सीमावर्ती जिलों अररिया, कटिहार, किशनगंज और पूर्णिया जिलों की मतदाता सूची में नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार के नागरिकों के नाम मिले हैं। एक अनुमान के मुताबिक इनकी संख्या 15 लाख से अधिक हो सकती है। गृह विभाग ने भी कई जिलों में बांग्लादेशियों की संख्या को लेकर रिर्पोट पेश की है। इसके अनुसार सीमांचल में अवैध घुसपैठियों के कारण कई जिलों का जनसांख्यिकी गणित पूरी तरह गड़बड़ा गया है। 1951 से 2011 तक देश की कुल आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी जहां चार प्रतिशत बढ़ी है, वहीं सीमावर्ती जिलों में यह आंकड़ा करीब 16 प्रतिशत है। सरकारी दस्तावेजों में ये लोग भारतीय नागरिक बनते जा रहे हैंय इस कारण उन्हें अनेक केंद्र एवं राज्य सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इस कारण उनका भारत की जमीन पर रहना आसान हो गया है।

अतएव प्रस्तावित विधेयकों की बजाय मतदाता सूची पर ज्यादा हंगामा होना तय है। यदि संसद में राजनीतिक गतिरोध बना रहता है और संसद अखाड़े में तब्दील होती रही तो उन विधेयकों और अधिनियमों पर बारीकी से बहस संभव नहीं है, जो देश की 1.4 करोड़ जनता की भलाई व नियमन के लिए कानून बनने जा रहे हैं ? प्रत्येक सांसद का दायित्व बनता है कि वह विधेयकों के प्रारूप का गंभीरता से अध्ययन करे, जिससे यह समझा जा सके कि उसमें शामिल प्रस्ताव देश व जनता के हित से जुड़े हैं अथवा नहीं? लेकिन राज्यसभा और लोकसभा का यह दुर्भाग्य है कि ज्यादातर सांसद अधिनियम के प्रारूप पर चर्चा करने की बजाय, ऐसे मुद्दों को बेवजह बीच में घसीट लाते हैं, जिनसे उनकी क्षेत्रीय राजनीति चमकती रहे। ऐसी स्थिति सत्तारुढ़ सरकार के लिए लाभदायी होती है, क्योंकि वह बिना किसी बहस-मुबाहिशे के ही ज्यादातर विधेयक पारित करा लेती है। जबकि विपक्ष सार्थक बहस करने की बजाय गाहे-बगाहे सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश में लगा रहकर संसद का समय जाया कर देता है। प्रजातांत्रिक मूल्यों की रक्षा की दृष्टि से यह स्थित देशहित में कतई नहीं है। इस लिहाज से सत्तारुढ़ सरकार और दल का कर्तव्य बनता है कि वह राजनीतिक गतिरोध का समाधान, राजनीतिक तौर-तरीकों से ही निकाले।

नजरिया

देश विरोधी गहरी साजिश है छांगुर बाबा का धर्मांतरण जाल!

मनोज कुमार अग्रवाल
मोबाइल : 9219179431

उत्तर प्रदेश के बलरामपुर से संचालित छांगुर बाबा उर्फ जलालुद्दीन का संगठित और सुनियोजित षड्यंत्र आज न सिर्फ पूरे राष्ट्र की आत्मा को झकझोर रहा है, बल्कि भारत के सामाजिक ताने-बाने के विरुद्ध छेड़ी गई एक सुनियोजित लड़ाई का प्रतीक बनकर उभरा है। यह सिर्फ धर्मांतरण नहीं, एक वैचारिक हमला है, जिसमें विदेशी धन, कट्टरपंथी सोच और निरीह गरीबों की मजबूरी को एक हथियार बनाया गया। नाम है, छांगुर बाबा', असली नाम जमालुद्दीन। यह वही चेहरा है, जिसने स्वयं को पहले हिंदू संत के रूप में प्रस्तुत किया, फिर सूफी संत, और आखिरकार इस्लामिक एजेंट की तरह 'ग़ज़वा-ए-हिन्द' की ज़हरीली बुनियाद डालने में जुट गया। धर्मांतरण का यह रैकेट न केवल सामाजिक ढांचे को तोड़ रहा है, बल्कि सीधे-सीधे राष्ट्रविरोधी एजेंडे का भी हिस्सा बन चुका है। छांगुर बाबा का नेटवर्क यूपी, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, असम, दिल्ली, राजस्थान, और महाराष्ट्र तक फैला है। उसके माध्यम से भोले-भाले दलितों, आदिवासियों और निर्धन वर्ग को चमत्कार, तंत्र-मंत्र और झूठे इलाज के बहाने मजहबी जाल में फंसाया गया। धर्म परिवर्तन के बाद हिन्दू रीति-रिवाजों का त्याग और नव इस्लामी पहचान की कठोर सीख दी गई। ये कार्य अकेले नहीं, बल्कि एक संगठित टीम, फंडिंग, और विचारधारा के साथ हो रहे थे। यह सब दर्शाता है कि यह धर्म परिवर्तन नहीं, भारत को विचारों से बदलने का षड्यंत्र था।

मुस्लिम समुदाय की ओर से विदेशों से भारी फंडिंग होती रही, जिसका प्रयोग मस्जिदों, मदरसों, और कन्वर्ज़न केंद्रों को खड़ा करने में हुआ। इस कार्य में विदेशी एनजीओ, पाकिस्तानी फंडिंग नेटवर्क, और खाड़ी देशों से जुड़ी संस्थाओं की भूमिका जांच के घेरे में है। ग़ज़वा-ए-हिन्द वह कट्टर इस्लामी अवधारणा है, जिसमें भारत को इस्लामी शासन के अधीन लाने का सपना पाले बैठे आतंकी गुट बार-बार इसे अपना लक्ष्य बताते रहे हैं। छांगुर गैंग इसी ज़हर को 'धर्मगुरु' की आड़ में बोता रहा। धर्मांतरण के बाद लोगों को भारत विरोधी विचारधारा से लैस किया गया। पाकिस्तान परस्त मौलानाओं से जुड़ी बैठकों के वीडियो, ऑडियो, और लेख प्राप्त हुए हैं, जो इस नेटवर्क के आतंकी कनेक्शन को इंगित करते हैं। स्थानीय मदरसों में कट्टरता, जिहाद और इस्लामी प्रभुत्व की शिक्षाएं बच्चों तक को दी जा रही थींय जिन युवाओं ने झांसे में आकर मजहब बदला, उनमें से कई स्लीपर सेल' की भूमिका में आने लगे। हालिया इनपुट के मुताबिक : कई धर्मांतरित युवक नकली दस्तावेज़ों के साथ सरकारी योजनाओं का दुरुपयोग कर रहे थे। कुछ साइबर फ्रॉड, हवाला, और फेक आइडेंटिटी जैसे अपराधों से भी जुड़ चुके हैं।

आईबी और एटीएस की जांच में कई सबूतों से यह स्पष्ट हुआ है कि यह केवल धार्मिक नहीं, राजनैतिक और आतंकी उद्देश्यों की पूर्ति का माध्यम है। वर्षों से यह नेटवर्क सक्रिय था, लेकिन स्थानीय प्रशासन, खुफिया एजेंसियां और पुलिस आंख मूंदे बैठे रहे। धर्म की स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार की आड़ में इस्लामीकरण की खेती होती रही। कुछ नेताओं और स्वयंभू सेक्युलर बुद्धिजीवियों की चुप्पी और समर्थन, इस गैंग को पनपने का खाद-पानी देते रहे। जांच एजेंसियों को शक है कि छांगुर गैंग का प्रतिबंधित इस्लामी संगठन पीएफआई (पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया) से भी जुड़ाव था। मकसद : गरीबों को लुभाना, धर्म बदलवाना और उन्हें भारत विरोध की शिक्षा देना। वॉट्सऐप ग्रुप्स और टेलीग्राम चैनल के माध्यम से कट्टर मजहबी संदेशों का प्रचार किया जा रहा था। विदेशी खाते, संदिग्ध हवाला ट्रांज़ेक्शन्स और 'बाबा' के ठिकानों से बरामद दस्तावेज इस कड़ी को और पुख्ता करते हैं।

बता दें, 23 जून को बाबा छांगुर द्वारा हजारों लोगों के नामांतरण की जानकारी मिली। 24 जून को उतरोला थाना क्षेत्र के मधपुर गांव में बाबा की विशाल कोठी देखने के बाद इस बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ। यह नेटवर्क पूरे भारत में फैला हुआ है और हजारों लोगों का धर्मांतरण करा चुका है। हरियाणा में 12 और 13 जुलाई को छांगुर गैंग के आमिर और उसकी बहन नेहा को गिरफ्तार किया गया है। पीड़ितों को विदेशों से भी धमकियां मिल रही हैं। खुफियां एजेंसियों के मुताबिक धर्मांतरण के इस देशव्यापी जाल में छांगुर ने 5000 से ज्यादा लड़कियों का धर्म परिवर्तन कराया है। 1000 मुस्लिम युवकों की फौज खड़ा कर लव जिहाद का खेल खेल रहा था। एटीएस और ईडी की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, छांगुर बाबा की सच्चाई परत-दर-परत बेनकाब होती जा रही है। धर्मांतरण के एक संगठित रैकेट से शुरू हुआ खुलासा अब आईएसआई कनेक्शन और राष्ट्रविरोधी साजिश तक पहुंच चुका है। छांगुर बाबा सिर्फ धर्म बदलवाने का खेल नहीं खेल रहा था, बल्कि हिंदुस्तान में सांप्रदायिकता का जहर खोलकर तोड़ने की साजिश भी रच रहा था। छांगुर बाबा ने धर्मांतरण के नाम पर जो नेटवर्क खड़ा किया था, उसी का इस्तेमाल कर वो पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से सीधा संपर्क साधने की कोशिश कर रहा था। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक नेपाल की राजधानी काठमांडू में पाकिस्तानी दूतावास में आईएसआई एजेंटों की एक गोपनीय बैठक हुई थी।

इसमें छांगुर के नेपाल कनेक्शन के जरिए संपर्क की कोशिश की गई। हिंदू लड़कियों के धर्मांतरण के बाद आईएसआई एजेंटों से निकाह की साजिश छांगुर बाबा की योजना थी कि आर्थिक रूप से कमजोर हिंदू परिवारों की महिलाओं को फंसाकर उनका धर्मांतरण कराया जाए। फिर इनका निकाह नेपाल में आईएसआई के एजेंटो और स्लीपर सेल से करवा दिया जाए। ये महिलाएं बाद में जासूसी के नेटवर्क का हिस्सा बन सकें, इसके लिए बाकायदा कोडवर्ड सिस्टम भी विकसित किया गया था. छांगुर बाबा का नेटवर्क सिर्फ उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं था। छांगुर बाबा का जाल महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, बिहार और पश्चिम बंगाल तक फैला हुआ था। इस पूरे नेटवर्क को वो विदेशी फंडिंग के जरिए मजबूत करता रहा। एटीएस की पूछताछ में खुलासा हुआ है कि उसने लव जिहाद के लिए मुस्लिम युवकों की फौज तैयार की थी। बीते तीन वर्षों में 1000 से ज्यादा मुस्लिमों को इस काम के लिए कैश पेमेंट दी गई। नेपाल सीमा से सटे सात जिलों को टारगेट किया गया। बाबा का नेटवर्क लड़कियों को फंसाता, ब्रेनवॉश करता और फिर उनका धर्मांतरण कर निकाह करवा देता था। इसके लिए विदेशों से भारी मात्रा में फंड आता था।

छांगुर के 'छलजाल' में फंसीं युवतियों की आपबीती सुनकर इस वक्त हर कोई अचंभित है। पीड़िता ने बताया कि मुझे मारपीट कर बेहोशी की हालत में उतरौला ले जाया गया. कहा गया कि मेरा रूहानी इलाज किया जाएगा। छांगुर का गुर्गा फरमान मुझे सहारनपुर ले गया। वहां मुझे नकली नाम से अस्पताल में भर्ती करवाया गया. ये लोग सीधी कॉल नहीं करते थे।

एटीएस की जांच में छांगुर बाबा द्वारा इस्तेमाल किए गए कोडवर्ड भी सामने आए हैं।जैसे कि लड़कियों को 'प्रोजेक्ट' कहा जाता था. ब्रेनवॉश की प्रक्रिया को 'काजल करना' कहा जाता था। किसी लड़की को बाबा से मिलाने को 'दीदार कराना' कहा जाता था। इसी तरह धर्मारण को 'मिट्टी पलटना' कहा जाता था। इन कोड्स के जरिए बाबा और उसका गैंग आपस में बात करता था ताकि किसी को भनक न लगे। ईडी और एटीएस की पड़ताल में यह बात भी सामने आई है कि बाबा के पास विदेशों से करोड़ों की फंडिंग आई। जांच में अब तक 18 बैंक खातों की जानकारी मिली है। इनमें कुल 68 करोड़ रुपए जमा हुए। केवल तीनमहीनों में ही 3 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए। छांगुर बाबा की सबसे बड़ी राजदारनीतू वोहरा उर्फ नसरीन थी, जो खुद भी धर्म परिवर्तन कर इस साजिश का हिस्सा बनी. उसके खाते में अकेले चार महीनों में 14 करोड़ रुपए आए. उन्हें तुरंत निकाल भी लिया गया। वहीं, उसके पति नवीन वोहरा के खातों में भी 18 करोड़ रुपए की एंट्री मिली है। बाबा ने अपने नेटवर्क को कानूनी रूप देने के लिए चार अलग-अलग संस्था बना रखी थीं। इन्हीं संस्थाओं के जरिए फंडिंग होती थी। इसकी आड़ में राष्ट्रविरोधी साजिश का खाका तैयार किया जा रहा था। इस पूरे मामले में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेहद सख्त रुख अपनाया है।

अब खुद उसके धर्मांतरण की शिकार बनी कई महिलाएं सामने आईं हैं, जिन्होंने अपनी आपबीती बताई, पीड़ित महिलाओं ने बताया कि कैसे उन्हें छांगुर बाबा ने अपने जाल में फंसाया और फिर कैसे उनका धर्म बदलवाया। धर्म परिवर्तन के लिए उसने बाकायदा एक रेट लिस्ट बना रखी थी। छांगुर बाबा 3 तरीकों से धर्मांतरण करवाता था। नीतू-जमालुद्दीन की अमीरी दिखाता, लव जिहाद के लिए मुस्लिम युवाओं को उकसाता. उसके इन 3 तरीकों में एक तरीका मुस्लिम युवाओं को हिंदू लड़की से शादी करने और फिर उसे इस्लाम कबूल करवाने का था। छांगुर के 'छलजाल' में फंसीं युवतियों की आपबीती सुनकर इस वक्त हर कोई अचंभित है। पीड़िता ने बताया कि मुझे मारपीट कर बेहोशी की हालत में उतरौला ले जाया गया. कहा गया कि मेरा रूहानी इलाज किया जाएगा। छांगुर का गुर्गा फरमान मुझे सहारनपुर ले गया। वहां मुझे नकली नाम से अस्पताल में भर्ती करवाया गया. ये लोग सीधी कॉल नहीं करते थे। इंटरनेट कॉल के जरिए संपर्क में रहते थे. वे मुझे सऊदी लेकर गए थे। मैं ब्यूटीशन हूं, मुझसे कहा गया कि वहां अच्छी कंपनी में नौकरी लगवा दूंगा। वहां शादी कर सेटल हो जाएंगे। वहां जाकर पता चला कि यह हिंदू नहीं, मुस्लिम हैं। देवबंद, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर मिनी पाकिस्तान में इनका रैकट है।

जरूरत इस बात की है कि धर्मांतरण विरोधी कानून को ''केंद्रीय स्तर पर मजबूत बनाया जाए हर राज्य में धार्मिक स्वतंत्रता निगरानी आयोग बने। विदेशी फंडिंग पर डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम लागू हो। पीड़ितों के लिए पुनर्वास और मानसिक परामर्श तंत्र बने। क्योंकि धार्मिक स्वतंत्रता भारत की आत्मा है, लेकिन संगठित धर्मांतरण उसकी हत्या। छांगुर गैंग' जैसी घटनाएं कोई अपवाद नहीं, प्रायोजित प्रयोग हैंय यदि आज हम इनका पर्दाफाश नहीं करेंगे, तो कल बेटियों, संस्कारों और समाज की नींव छिन जाएगी। यह समय है, देश को चेताने का। धर्म की रक्षा नहीं, भारत की चेतना की रक्षा करेंय भारत के नागरिकों, विशेषकर युवाओं को यह समझना होगा कि धर्मांतरण के द्वारा देश की डेमोग्राफी को प्रभावित करने का एक बड़ा षडयंत्र राष्ट्रविरोधी ताकतों द्वारा विदेशी धन के सहयोग से चलाया जा रहा है इस को नाकाम करने के लिए जागरूकता अभियान की जरूरत है ।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विरोध

जेकेपीसीसी प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ जम्मू में राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर विरोध मार्च निकाला। यह मार्च पार्टी के चल रहे अभियान 'हमारी रियासत, हमारा हक' के तहत रविवार को जम्मू में निकाला जा रहा है।

भीषण गर्मी से दुनिया में बच्चों की स्कूली शिक्षा में 1.5 साल तक की आ सकती है कमी : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। अत्यधिक गर्मी के संपर्क में आने से बच्चों की स्कूली शिक्षा में 1.5 साल तक की कमी आ सकती है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन का शिक्षा पर सीधा प्रभाव पड़ रहा है और हाल के दशकों में हुई शैक्षिक उपलब्धियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का खतरा है। एक नई वैश्विक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। जलवायु संबंधी कारक जैसे गर्मी, जंगल की आग, तूफान, बाढ़, सूखा, बीमारियां और समुद्र का बढ़ता स्तर शिक्षा के परिणामों को प्रभावित करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ज़्यादातर निम्न और मध्यम आय वाले देश हर साल जलवायु संबंधी तनावों का सामना कर रहे हैं, जिससे शिक्षा का नुकसान और स्कूल छोड़ने की संभावना बढ़ रही है। यूनेस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी टीम, जलवायु संचार एवं शिक्षा निगरानी एवं मूल्यांकन परियोजना और कनाडा के सस्केचवान विश्वविद्यालय द्वारा संकलित रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले 20 साल में चरम मौसम की घटनाओं के कारण कम से कम 75 प्रतिशत समय में स्कूल बंद रहे, जिससे 50 लाख या उससे अधिक लोग प्रभावित हुए।

भीषण गर्मी के संपर्क में आने से बच्चों के शैक्षिक परिणामों पर गंभीर रूप से हानिकारक प्रभाव पड़ता है। वर्ष 1969 और 2012 के बीच 29 देशों में जनगणना और जलवायु संबंधी आंकड़ों में संबंध जोड़ने वाले एक विश्लेषण से पता चला है कि गर्भ में रहने और प्रारंभिक जीवन काल के दौरान औसत से अधिक तापमान के संपर्क में आने का संबंध, विशेष रूप से दक्षिण पूर्व एशिया में, स्कूली शिक्षा के वर्षों में कमी आने जुड़ा है।

रिपोर्ट के अनुसार, ''औसत से दो डिग्री अधिक तापमान का सामना करने वाले बच्चे के लिए यह अनुमान लगाया जाता है कि औसत तापमान का अनुभव करने वाले बच्चों की तुलना में उसे 1.5 वर्ष कम स्कूली शिक्षा मिलेगी। उच्च तापमान के कारण चीन में उच्च-स्तरीय परीक्षा में बच्चों के प्रदर्शन पर प्रतिकूल असर पड़ा है और हाई स्कूल स्नातक और कॉलेज प्रवेश दर, दोनों में कमी आई है।

मेरा साक्षात्कार 21 मार्च 1977 को हुआ था, जिस दिन आपातकाल हटाया गया था : एस. जयशंकर

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को सिविल सेवा में अपने प्रवेश को याद करते हुए कहा कि दिल्ली में उनका यूपीएससी साक्षात्कार 21 मार्च, 1977 को हुआ था - जिस दिन आपातकाल हटाया गया था। जयशंकर ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, (1977) चुनाव के नतीजे एक दिन पहले से आ रहे थे...आपातकालीन शासन की हार का एहसास साफ दिख रहा था। एक तरह से, इसी चीज ने मुझे साक्षात्कार में सफलता दिलाई। पुरानी यादों को ताजा करते हुए, उस समय 22 साल के रहे जयशंकर ने कहा कि वे साक्षात्कार से दो महत्वपूर्ण बातें लेकर लौटे - दबाव में संचार का महत्व और यह कि महत्वपूर्ण लोग एक दायरे से बाहर नहीं देख रहे थे। सिविल सेवा में प्रवेश पाने वाले नए बैच के लोगों को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री ने यूपीएससी परीक्षा को अग्नि परीक्षा के समान बताया और कहा कि सेवाओं के लिए उम्मीदवारों का चयन करने के लिए यह दुनिया की एक बहुत ही अनोखी परीक्षा प्रणाली है।

जयशंकर ने कहा कि असली चुनौती साक्षात्कार है और उन्होंने 48 साल पहले हुए अपने यूपीएससी साक्षात्कार का उदाहरण दिया। अब 70 साल के हो चुके जयशंकर याद करते हैं, मेरा साक्षात्कार 21 मार्च, 1977 को था। उसी दिन आपातकाल हटा लिया गया था। तो, मैं शाहजहां रोड पर साक्षात्कार के लिए गया... उस सुबह सबसे पहले पहुंचने वाला मैं था। लगभग एक महीने पहले, मोदी सरकार ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल की 50 वीं बरसी मनाई थी, जिसके तहत देश भर में कार्यक्रम आयोजित किए गए थे, ताकि उस घटना को याद किया जा सके जिसे उसके नेताओं ने भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय करार दिया था। देश में 21 महीने का आपातकाल 25 जून 1975 को लगाया गया था और 21 मार्च 1977 को हटा लिया गया था। विपक्षी नेताओं का गठबंधन जनता पार्टी, 1977 के चुनावों में विजयी हुई तथा इंदिरा गांधी को पराजित किया और मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने। जयशंकर ने कहा कि साक्षात्कार में उनसे पूछा गया था कि 1977 के चुनावों में क्या हुआ था।

धनी भारतीयों के लिए विदेश में बसाना हुआ आसान, आव्रजन कंपनियां दे रही हैं विशेष ऑफर

नई दिल्ली/भाषा। यदि आप पांच से 10 लाख रुपए मासिक कमाते हैं, या किसी स्टार्टअप या होटल में कुछ हजार डॉलर का निवेश कर सकते हैं, या सिर्फ एक अपार्टमेंट खरीद सकते हैं, तो एक वैश्विक आव्रजन सलाहकार आपको कई देशों में बसाने का वादा कर सकता है। देशों में विकल्प फ्रांस और इटली से लेकर मिस्र और ग्रेनेडा तक हैं।

वैश्विक आव्रजन कंपनी गैरेंट.इन के संस्थापक एंड्रयू बोइको ने कहा, विकल्प स्पष्ट है। उदाहरण के लिए, आप गुरुग्राम में एक अपार्टमेंट खरीद सकते हैं, लेकिन इससे आपको इटली में रहने की सुविधा नहीं मिलेगी। लेकिन अगर आप इटली में उतनी ही कीमत का अपार्टमेंट खरीदते हैं, तो आप वहां या यूरोप में कहीं भी रह सकते हैं, साथ ही कई अन्य देशों तक आसानी से पहुंच भी पाएंगे।

अमीर भारतीयों में विदेश में बसने की तीव्र रुचि को देखते हुए, दुबई स्थित इस कंपनी ने नई दिल्ली में एक पूर्ण कार्यालय खोला है और जल्द ही मुंबई में एक कार्यालय और फिर देश के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में कुछ कार्यालय खोलने की योजना बना रही है।

बोइको ने पीटीआई-भाषा से कहा कि उनकी कंपनी को भारत से केवल तीन महीनों में 4,000 से अधिक 'अनुरोध' प्राप्त हुए हैं और भारतीयों के लिए सबसे पसंदीदा देशों में फ्रांस, इटली, मिस्र और ग्रेनेडा शामिल हैं।

मुलाकात

फिल्म अभिनेता दुलकर सलमान, फिल्म निर्माता स्वप्ना दत्त और अन्य लोगों के साथ रविवार को हैदराबाद में जुबली हिल्स स्थित मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

सुभाष घई को पसंद आई फिल्म 'सैयारा', बोले- 'नई स्टारकास्ट ने मचाया धमाल'

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर फिल्ममेकर और प्रोड्यूसर सुभाष घई ने अहान पांडे और अनीत पड्डा की डेब्यू फिल्म 'सैयारा' की जमकर तारीफ की। रविवार को सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की एक फोटो शेयर की और टीम की खूब सराहना की। बता दें कि सुभाष घई ने लगभग 60 साल से फिल्म इंडस्ट्री में हैं। उन्होंने 'कर्ज', 'हीरो', 'ताल' और 'राम लखन' जैसी कई हिट फिल्में बनाई हैं, जो अपने समय की क्लासिक फिल्में मानी जाती हैं। ऐसे में उनकी तारीफें मिलना 'सैयारा' टीम के लिए काफी मायने रखती हैं। सुभाष घई ने फोटो शेयर करते हुए लिखा, जब नई स्टार कास्ट से सजी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाती है, तो यह फिल्म इंडस्ट्री को कुछ साफ संदेश देती है कि अच्छी कहानी वाली फिल्मों में जरूरत से ज्यादा पैसा खर्च न करें, बड़े स्टार्स पर इतना पैसा न लगाएं कि प्रोडक्शन का खर्च बढ़ जाए, स्टार्स की मांगों को सीमित करें और दिखावे वाले मार्केटिंग स्टंटस पर भी बेवजह खर्च करने से बचें। अगर कहानी अच्छी हो और सही कलाकार हों, तो दर्शक ऐसी फिल्में देखना जरूर पसंद करते हैं।

सुभाष घई ने आगे लिखा, मेरी तरफ से आदित्य चोपड़ा और मोहित सूरी को दिल से बधाई, जिन्होंने हिंदी कमर्शियल सिनेमा के मूल सिद्धांतों को सही साबित किया और 'सैयारा' जैसी फिल्म का नाम इतिहास में दर्ज करा दिया।'' उन्होंने कहा कि एक अच्छा प्रोड्यूसर, प्रतिभाशाली डायरेक्टर, बेहतरीन कहानी, शानदार म्यूजिक, सही कलाकारों का चुनाव, सामान्य बजट और अच्छी शूटिंग ही फिल्म के लिए मायने रखती है। बाकी और कुछ जरूरी नहीं होता।

उन्होंने आखिर में लिखा, ''आप सभी को सफलता की ढेर सारी शुभकामनाएं। सिनेमा जिंदाबाद!'' 'सैयारा' में अहान पांडे 'कृष कपूर के किरदार में हैं, जो गुस्सैल लेकिन टैलेंटेड सिंगर है। उसकी आवाज में एक अलग एहसास है। एक दिन उसका सामना वाणी बत्रा नाम की लड़की से होता है, जिसका किरदार अनीत पड्डा ने निभाया है। वह एक शांत और मशहूर लेखिका है। कहानी में सुर और शब्द जब मिलते हैं, तो एक जादुई प्रेम कहानी शुरू होती है। यह फिल्म 18 जुलाई को रिलीज हो चुकी है।

'इत्ती सी खुशी' का हिस्सा बनकर बेहद उत्साहित हैं ऋषि सक्सेना

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता ऋषि सक्सेना सोनी सब के शो 'इत्ती सी खुशी' का हिस्सा बनकर बेहद उत्साहित हैं। सोनी सब का शो 'इत्ती सी खुशी' अपनी अनोखी कहानी और दमदार कलाकारों की टीम के कारण दर्शकों में उत्साह बढ़ा रहा है। शो में सुम्बुल तौकीर खान (अन्विता दिवेकर), वरुण बडोला (सुहास दिवेकर) और रजत वर्मा (विराट) जैसे कलाकार पहले से जुड़े हैं। अब इस कास्ट में शामिल हो रहे हैं ऋषि सक्सेना, जो एक तेज-तर्रार पुलिस अधिकारी संजय की भूमिका निभायेंगे,जो इस कहानी में भावनाओं का एक नया मोड़ लेकर आता है। ऋषि सक्सेना ने कहा, 'इत्ती सी खुशी' का हिस्सा बनकर मैं बेहद उत्साहित हूं क्योंकि यह एक ऐसी कहानी है जो सच्ची लगती है ।छोटी-छोटी बातों में बड़ी भावनाएं छुपी होती हैं। संजय ऐसा व्यक्ति है जो बहुत ज़्यादा बोलता नहीं, लेकिन ज़रूरत के समय हमेशा साथ खड़ा रहता है। जो बात मुझे सबसे ज्यादा आकर्षित करती है, वह यह है कि वह किसी हीरो की तरह दिखने की कोशिश नहीं करता, बल्कि बस एक ऐसा इंसान है जिसे फिक्र है और जो अन्विता की भावनाओं की गहराई को समझता है। उसका प्रेम स्पष्ट है, लेकिन वह जानता है कि अन्विता शायद वैसा महसूस न करे। आशा और स्वीकार्यता के बीच का वही स्पेस उसे मेरे लिए असल और सच्चा बनाता है।

फिल्म 'डॉन' के निर्देशक चंद्र बरोट का निधन

मुंबई/भाषा

अमिताभ बच्चन द्वारा अभिनीत एवं 1978 में रिलीज हुई 'डॉन' फिल्म के निर्देशक चंद्र बरोट का रविवार को मुंबई के एक अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने के कारण निधन हो गया। बरोट की पत्नी ने यह जानकारी दी। चंद्र बरोट 86 वर्ष के थे। बरोट के परिवार के अनुसार, वह पिछले 11 वर्षों से 'इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस' (फेफड़ों का फाइब्रोसिस) बीमारी से जूझ रहे थे और गुरु नानक अस्पताल में उनका इलाज किया जा रहा था। उनकी पत्नी दीपा बरोट ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''चंद्र का सीने में संक्रमण के कारण हृदय गति रुकने से आज सुबह साढ़े छह बजे गुरु नानक अस्पताल में निधन हो गया। उन्हें पिछले 11 साल से आईपीएफ (फेफड़ों का फाइब्रोसिस) नाम की बीमारी थी।'' उन्होंने 'पूरब और पश्चिम', 'रोटी कपड़ा और मकान', 'यादगार' और 'शोर' में अभिनेता-निर्देशक मनोज कुमार के सहायक निर्देशक के रूप में भी काम किया था। 'डॉन' के बाद चंद्र बरोट ने 1989 में बंगाली फिल्म 'आश्रिता' का निर्देशन किया। फिल्म निर्देशक के परिवार में उनकी पत्नी और एक बेटा है।

सैफ अली खान पर हमलाः आरोपी ने जमानत याचिका दायर की, 'काल्पनिक कहानी' का किया दावा

मुंबई/भाषा

अभिनेता सैफ अली खान को चाकू मारकर घायल करने के आरोप में गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिक ने यहां एक अदालत में जमानत याचिका दायर करके दावा किया कि वह निर्दोष है और उसके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी एक ''काल्पनिक कहानी'' है। अभिनेता खान (54) पर इसी साल 16 जनवरी को बांद्रा स्थित उनके 12वीं मंजिल स्थित अपार्टमेंट में चाकू से कई वार किए गए थे। लीलावती अस्पताल में उनकी एक आपातकालीन सर्जरी हुई थी, जहां से उन्हें पांच दिन बाद छुट्टी 0दे दी गई थी। पुलिस ने घटना के दो दिन बाद मोहम्मद शरीफुल इस्लाम (30) को ठाणे से गिरफ्तार कर लिया था। वह फिलहाल महानगर की आर्थर रोड जेल में बंद है। शुक्रवार को वकील विपुल दुशिंग के माध्यम से दायर अपनी जमानत याचिका में, आरोपी इस्लाम ने दावा किया कि वह निर्दोष है और उसका कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। आरोपी इस्लाम की याचिका में कहा गया है कि घटना की जांच लगभग पूरी हो चुकी है, अब केवल आरोपपत्र दाखिल करना बाकी है। इस्लाम ने यह भी कहा कि सीसीटीवी फुटेज और कॉल रिकॉर्ड सहित महत्वपूर्ण साक्ष्य अभियोजन पक्ष के पास पहले से ही मौजूद हैं।

याचिका में कहा गया है कि इस्लाम द्वारा साक्ष्यों से छेड़छाड़ या गवाहों को प्रभावित करने का कोई खतरा नहीं है। याचिका में कहा गया है, ''मौजूदा प्राथमिकी शिकायतकर्ता की एक काल्पनिक कहानी के अलावा और कुछ नहीं है। इसलिए, वह जमानत की गुहार लगाता है।'' याचिका में गिरफ्तारी की वैधता पर भी चिंता जतायी गई है और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 47 की अवहेलना का हवाला दिया गया है। इस प्रावधान के अनुसार, गिरफ्तार व्यक्ति को उसकी गिरफ्तारी के कारणों और ज़मानत के अधिकार के बारे में सूचित किया जाना चाहिए। अभियोजन पक्ष के जवाब के लिए मामले की सुनवाई 21 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

काजोल अभिनीत 'मां' ने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपए अधिक की कमाई की

नई दिल्ली/भाषा। बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल की मुख्य भूमिका वाली फिल्म मां ने दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की है। निर्माताओं ने शनिवार को यह जानकारी दी। विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित यह फिल्म साईविन क्वाड्रास द्वारा लिखी गयी है और 27 जून को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई। विशाल फुरिया लपाछपी, क्रिमिनल जस्टिस और छोरी जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। जियो स्टूडियोज और देवगन फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म के निर्माता ज्योति देशपांडे हैं और सह-निर्माता कुमार मंगत पाठक हैं। निर्माताओं ने सोशल मीडितया मंच 'एक्स' पर बॉक्स ऑफिस के आंकड़े साझा किए। इसमें फिल्म के पोस्टर के साथ इसकी कमायी के आंकड़े भी दिए गए थे। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की वास्तविक कमायी 38.30 करोड़ रुपए और कुल कमाई 45.19 करोड़ रुपए रही। विदेशों में फिल्म ने 6.45 करोड़ रुपए कमाए। फिल्म का दुनियाभर में बॉक्स ऑफिस पर कमायी 51.64 करोड़ रुपए है। इस फिल्म में इंद्रनील सेनगुप्ता, खेरिन शर्मा और रोनित रॉय भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

सोनम बाजवा ने पूरी की 'बागी 4' की शूटिंग

नई दिल्ली/भाषा। इस साल हिंदी सिनेमा में पदार्पण करने वाली पंजाबी अभिनेत्री सोनम बाजवा ने अपनी आगामी फिल्म 'बागी 4' की शूटिंग पूरी कर ली है। 'बागी 4' में टाइगर श्रॉफ, हरनाज संधू और संजय दत्त प्रमुख भूमिकाओं में हैं। ए हर्षा द्वारा निर्देशित यह फिल्म पांच सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बाजवा (35) ने शुक्रवार शाम सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर यह खबर साझा की। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, ''और बस इसी तरह, यह पूरी हो गई। मेरी दूसरी हिंदी फिल्म।'' बाजवा ने हिंदी फिल्मों में अपनी शुरुआत 'हाउसफुल 5' से की, जो छह जून को रिलीज हुई थी।

दर्शकों की बदलती रहती है पसंद, युवा चाहते हैं नया और अनोखा कंटेंट : अंजुम फकीह

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अंजुम फकीह ने अपने नए रियलिटी शो 'छोरियां चलीं गांव' के साथ एक नई शुरुआत की है। अंजुम का मानना है कि कंटेंट को लेकर समय के साथ दर्शकों की पसंद बदलती रहती है। यंग जनरेशन नए और अनोखे कंटेंट की मांग करती है। उन्होंने आज के युवाओं की कंटेंट को लेकर पसंद और नापसंद पर अपने विचार साझा किए। अंजुम ने कहा कि दर्शकों की पसंद हर कुछ सालों में बदलती है। आज का युवा ज्यादा मुखर है; वह फ्रेश, अनोखी कहानियों की मांग करता है। उन्होंने कहा, भारत में प्रतिभा और रचनात्मकता की कोई कमी नहीं है। 'छोरियां चलीं गांव' के कॉन्सेप्ट को बनाने वाले को सलाम। हम दर्शकों के लिए कुछ नया और जड़ों से जुड़ा लेकर आए हैं। यह शो शहरों की चमक-दमक से दूर, गांव की असली जिंदगी को दिखाता है, जहां भारत का दिल बसता है। यह शो शहर और गांव दोनों के दर्शकों को पसंद आएगा। इसकी सफलता दर्शकों के हाथ में है। अगर उन्हें पसंद आया, तो यह सालों चलेगा, वरना खत्म हो जाएगा। 'छोरियां चली गांव' को लेकर उत्साहित अंजुम ने बताया कि एक शहरी लड़की होने के नाते, गांव की जिंदगी का अनुभव लेने का मौका उन्हें रोमांचित करता है। उन्होंने कहा, मैं हमेशा जी टीवी के साथ काम करना चाहती हूं। मेरे सभी हिट किरदार और शो 'एक था राजा एक थी रानी', 'कुंडली भाग्य', 'रानी रागेश्वरी', और 'सृष्टि' जी टीवी के ही थे। जब भी जी के साथ काम करने का मौका मिलता है, मैं उस ऑफर को तुरंत स्वीकार कर लेती हूं। अंजुम ने शो को रोमांचक बताया। उन्होंने कहा, ऐसा कॉन्सेप्ट मुझे पहले कभी नहीं दिखा, न भारत में, न विदेश में। दर्शकों को यह देखना अच्छा लगेगा कि शहरी लड़कियां गांव की जिंदगी में कैसे ढलती हैं। मैं खुद उत्साहित और थोड़ी नर्वस हूं। मैं गांव में पैदा हुई थी, लेकिन 15 साल से वहां नहीं गई। अब एक नए गांव में जाना मेरे लिए नया अनुभव है और मुझे नहीं पता कि क्या होगा। यही इसकी खासियत है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

व्यक्तित्व विकास केवल शारीरिक रूप या बोलचाल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक संयोजन है। इसमें चरित्र, स्वभाव, कला और दृष्टिकोण का संयोजन होना चाहिए। उन्होंने इन विषयों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चरित्र विकास के पाँच आयाम हैं। शारीरिक सुंदरता केवल शरीर की नहीं, आभा और आत्मा की होती है। लोकप्रकाश ग्रंथ के अनुसार तीर्थंकर प्रभु का स्वरूप रूप और गुणों की चरम सीमा है। सुंदरता जिम या सिक्स पेक से नहीं आती, बल्कि संतुलित आहार से आती है।

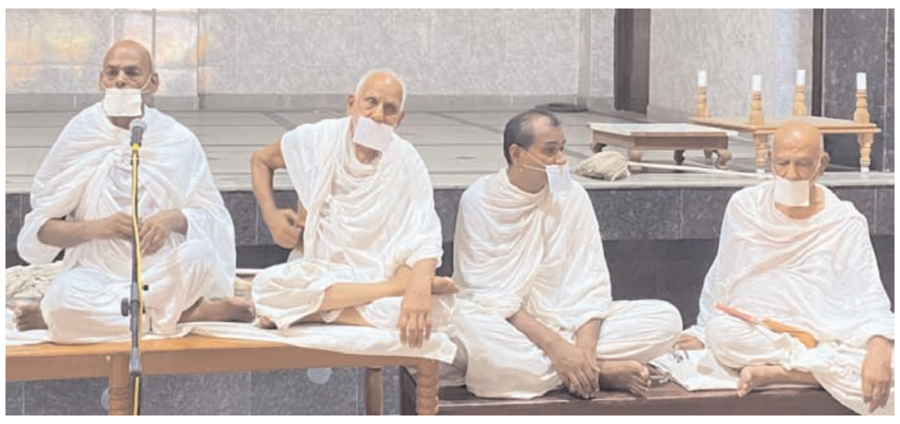

स्वार्थ के तजे बिना धार्मिकता की कल्पना नहीं : कमलमुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट स्थित जैन भवन में रविवार को राष्ट्र संत कमल मुनि जी कमलेश ने धर्मसभा को संबोधित करते कहा कि जितने जितने हम स्वार्थ का विसर्जन करते जाएंगे, उतना ही धर्म के नजदीक होते जाएंगे। स्वार्थ का त्याग के बिना धार्मिकता की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि स्वार्थ में अंधा बना हुआ मानव का विवेक लुप्त हो जाता हैश्र उसके काले कारनामे से शैतान भी शर्मिंदा हो जाता है, सभी अनर्थ की खान स्वार्थ है। स्वार्थ में कमी पड़े तो भगवान भी शैतान के रूप में नजर आते हैं, और स्वार्थ पूर्ति हो हो जाए तो मिट्टी भी भगवान भगवान के रूप में स्वीकार कर लेता है।

मुनि कमलेश ने कहा कि स्वार्थ के कीटाणु खून के रिश्ते में भी कड़वाहट खोल देते हैं। परस्पर दुश्मन और शत्रु बन जाते हैं स्वार्थ का त्याग के बिना सम्यक ज्ञान की प्राप्ति नहीं हो सकती। राष्ट्रसंत ने कहा कि सभी धर्म ने स्वार्थ को हिंसा की जननी बताया है। आत्मा की खतरनाक शत्रु है। दुर्गति का मेहमान बनाती है निष्काम और निस्वार्थ भावों का निर्माण होने पर ही आत्मा का धर्म में प्रवेश होता है।

जैन संत ने बताया कि संसार छोड़कर साधु बन जाना सरल है, परंतु स्वार्थ का त्याग करना अत्यंत दुष्कर है साधना का स्वार्थ हमारे लिए अभिशाप बनता है। अंत में कहा कि दूसरों के परमार्थ के लिए अपने स्वार्थ का बलिदान करता है वही सच्चा धार्मिक हैश्र अपनी स्वार्थ पूर्ति के लिए दूसरों के हित को चोट पहुंचाने वाला धार्मिक तो क्या इंसान कहलाने का अधिकार नहीं है।चातुर्मास समिति के चेयरमेन सुरेश लुणावत अध्यक्ष प्रकाश प्रकाश खिंवेसरा ज्ञानचंद कटारिया जितेंद्र भंडारी ने तपशवियों का स्वागत किया डॉक्टर संजय पिंचा संचालन किया।

भगवान के चरणाविन्द सदा ध्यान करने योग्य है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां माहेश्वरी सत्संग समिति के तत्वावधान में स्थानीय श्री माहेश्वरी भवन परिसर में पावन श्रावण मास में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा तथा भगवान शिवजी के रुद्राभिषेक के षष्ठ दिवस रविवार को करीबन 100 से अधिक भक्तों ने अभिषेक किया। मुख्य मनोरथी प्रवीण माहेश्वरी परिवार, वरिष्ठ मनोरथी प्रमोद मालपानी, केशरीमल धिरण, समिति के उपाध्यक्ष अनिल घुरका, दानमल चाण्डक, डूंगर दास बिसानी, नारायण दास दम्माणी तथा समाज के अन्य गणमान्य सदस्यों ने अभिषेक का लाभ लिया। कमल पंडित की टीम ने शुद्ध मन्त्रोउच्चरण से सभी को झुमाया। दिलीप कोठारी, संतोष सारडा, सुरेश चंद्र कोठारी के देख रेख में अभिषेक का कार्य सुचारू रूप से सम्पन्न हुआ।

श्रीमद्भागवत कथान्तर्गत वैष्णवाचार्य गो. गोवेर्धनेशजी ने कथा में बताया की प्रभु के चरण मन को अंकुश में करने का साधन है। मन रूपी गज को वश में रखने के कारण ही प्रभु के श्री चरणों में अंकुश रेखा विराजमान है। वैष्णवता अपने धर्म को गुप्त रखना चाहिए। यह प्रदर्शन की वस्तु नहीं है।

आज इन्द्र मान भंग, कंस उद्धार की लीलाओं सहित प्रभु के विवाह का सुन्दर प्रसंगों के द्वारा वर्णन किया एवं भगवान कृष्ण के विवाह की बिनोरी निकली और सजीव झांकी का चित्रण किया। सज-धज कर श्रद्धालु भगवान की बारात में नाचते गाते हुए मंच तक पहुंचे। कथा में गौरीशंकर राठी, जेठमल चाण्डक, कमल गोईदानी, संजय मुंदड़ा, जेठमल सारडा, वंशीधर सारडा तथा समाज के अन्य गणमान्य सदस्यों ने कथा का रसपान किया। कोषाध्यक्ष राजन सारडा ने पधारे हुए सभी भक्तों स्वागत किया।

कोयम्बटूर तेरापंथ सभा की वार्षिक सभा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां गांधीपार्क स्थित तेरापंथ भवन में रविवार को कोयम्बटूर जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा के अध्यक्ष देवीचंद मण्डोत की अध्यक्षता में प्रथम वार्षिक सभा का आयोजन तेरापंथ भवन में हुआ। अध्यक्ष द्वारा सभी सदस्यों का स्वागत किया गया। उपाध्यक्ष दीपक पारख ने गत साधारण सभा की कार्यवाही का वाचन किया। मंत्री अजय बुच्छा द्वारा प्रतिवेदन की प्रस्तुति का वाचन किया।

कोषाध्यक्ष निर्मल गुन्नेशा द्वारा वार्षिक आय व्यय की जानकारी दी गई। मंच का संचालन उपाध्यक्ष धनराज सेठिया द्वारा किया गया। अन्त में मंत्री अजय बुचा द्वारा सब सदस्यों को धन्यवाद दिया।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के माधावरम् स्थित आदिनाथ आशीर्वाद अपार्टमेंट के आदिनाथ सामायिक ग्रुप के तत्वावधान में रविवांर को 600 से अधिक राहगीरों के लिए 28वीं बार अन्नदान का आयोजन किया गया। इसमें हसमुख रांका, प्रेम बाफना, सुगन सांखला, प्रमोद बाफना एवं महेंद्र चौहान ने सारे कार्यक्रम की व्यवस्था अपनी देखरेख मे करवाई। आज के सम्पूर्ण अन्नदान कार्यक्रम के लाभार्थी आदिनाथ आशीर्वाद अपार्टमेंट के पूर्व रहवासी घनश्याम, लक्ष्मीकांत, अभिषेक, आशुतोष शर्मा परिवार थे।

जैन मेडिकल रिलीफ सोसाइटी द्वारा एक और डाइलासिस मशीन का लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री जैन मेडिकल रिलीफ सोसाइटी की पेरंबूर इकाई आंचीबाई हेमराज कटारिया डाइलासिस सेंटर में रविवार को एक और नई डाइलासिस मशीन का उद्घाटन किया गया।

डाइलासिस मशीन बनवारीलाल अग्रवाल की स्मृति में अमित अग्रवाल और हेमा अग्रवाल द्वारा भेंट की गई। उनका सम्मान चेयरमैन हरीश पारेख व किशोर झामड ने किया।

उल्लेखनीय है कि सेंटर द्वारा पहले से ही सात डाइलासिस मशीन कार्यरत हैं जो कि न्यूनतम मूल्य पर लोगों को डाइलासिस कराती है।

अपने स्वागत भाषण में सोसाइटी के अध्यक्ष अशोक मेहता ने जैन मेडिकल रिलीफ सोसाइटी द्वारा प्रति वर्ष हजारों निशक्त लोगों के न्यूनतम मूल्य पर डाइलासिस करने की जानकारी दी। इस पुनीत कार्य के लिए पेरंबूर इकाई के सचिव ज्ञानचंद कोठारी ने सहयोगी दानदाता का आभार व्यक्त किया। सोसाइटी के महासचिव राजकुमार दुगड ने सोसाइटी द्वारा संचालित कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रति वर्ष लगभग 12000 मरीजों का अत्यंत ही कम मूल्य पर डाइलासिस किया जाता है।

इस आयोजन में युनिट के सह सचिव भरत लोढ़ा, कोषाध्यक्ष सुशील ओस्तवाल, सह कोषाध्यक्ष महेन्द्र कुंकुलोल, सुरज बाफना, कमल खाबीया, देवराज रूनवाल, सुभाष कांकलिया, आशा रूणवाल, तमीलमणी सहित महानगर के अनेक गणमान्य लोगों की उपस्थिति थी। मंच संचालन ज्ञानचंद कोठारी ने किया। अंत में गौतमचंद कांकरिया ने मंगल पाठ सुनाया।

व्यक्तित्व विकास के चार स्तंभ चरित्र, स्वभाव, कला और दृष्टिकोण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री किलपॉक श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में विराजित पंन्यास श्री विमलपुण्यविजयजी म.सा. ने रविवार को व्यक्तित्व विकास विषय पर सारगर्भित मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि व्यक्तित्व विकास केवल शारीरिक रूप या बोलचाल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक संयोजन है।

इसमें चरित्र, स्वभाव, कला और दृष्टिकोण का संयोजन होना चाहिए। उन्होंने इन विषयों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चरित्र विकास के पाँच आयाम हैं। शारीरिक सुंदरता केवल शरीर की नहीं, आभा और आत्मा की होती है। लोकप्रकाश ग्रंथ के अनुसार तीर्थंकर प्रभु का स्वरूप रूप और गुणों की चरम सीमा है। सुंदरता जिम या सिक्स पेक से नहीं आती, बल्कि संतुलित आहार से आती है। उन्होंने बताया कि पनीर, सोयाबीन, बादाम, मूँग आदि में अंडों से अधिक प्रोटीन होता है। अनेक प्रसिद्ध वैज्ञानिक, खिलाड़ी व उद्योगपति शाकाहार को प्राथमिकता देते हैं। रासायनिक संतुलन के अंतर्गत मानसिक उत्तेजना व कुंठा पर नियंत्रण आवश्यक है। अब्राहम लिंकन के उदाहरण द्वारा उन्होंने बताया कि आलोचना का जवाब गरिमा से कैसे दिया जाए। व्यक्तित्व की सुंदरता सात्विक आहार, स्वच्छता, मर्यादित वेशभूषा और नैतिक कर्तव्यों के पालन से आती है। समाज के लिए सहृदयता, जरुरतमंदों के लिए कार्य करने की वृत्ति व्यक्ति को आत्मीय बनाती है। भावनात्मकता पैदा करने के लिए करुणा, संवेदना और दया भावनाएं व्यक्तित्व की आत्मा हैं। पशु-पक्षियों तक के प्रति दया का भाव हो तो जीवन से दुर्भाग्य भी दूर हो सकते हैं। व्यवहार के बारे में उन्होंने बताया कि व्यक्तित्व का पहला दर्पण व्यवहार होता है। हर किसी से मधुर और मर्यादित भाषा में बात करना चाहिए। इससे सुंदर व्यक्तित्व की पहचान होती है। हर व्यक्ति में कोई न कोई विशेष कला होती है। उसे निखारने और दुनिया के सामने लाने के लिए निरंतर प्रयास जरूरी है। दूरदृष्टि और पूर्वानुमान व्यक्ति को आगे ले जाते हैं। हमेशा यह सोचें कि आने वाले समय में इसका परिणाम क्या होगा? और उसी अनुसार कर्म करें।

श्रद्धा भक्ति से सौभाग्य का निर्माण होता है : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां गोपालपुरम स्थित छाजेड़ भवन में विराजित श्री कपिल मुनि जी म.सा. के सान्निध्य व श्री जैन संघ गोपालपुरम के तत्वावधान में रविवार को विघ्न बाधा विनाशक भक्तामर स्तोत्र जाप अनुष्ठान एवं रविवारीय विशेष प्रवचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ पंच परमेष्ठी की स्तुति के संगान से हुआ। बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाओं ने मुनि श्री के निर्देशन में तन्मयता पूर्वक जप साधना का लाभ लिया। इस मौके पर श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने कहा कि एक इमारत में जो भूमिका नींव की है वही भूमिका जीवन रूपी इमारत में धर्म रूपी नींव की है धर्म जीवन को स्थिरता और पवित्रता देने वाला तत्व है। सभी की चाहत और अभिलाषा होती है कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शुभ ही शुभ और लाभ के ही प्रसंग घटित हों व्यक्ति की यह अभिलाषा तभी पूर्ण होती है जब चाहत के साथ पुरुषार्थ को योग जुड़ता है। अशुभ कर्म के उदय को निष्फल करने का पुरुषार्थ भक्तामर जप अनुष्ठान है। भक्ति के बिना भय से मुक्ति नहीं और श्रद्धा के बिना सौभाग्य का निर्माण नहीं हो सकता और सौभाग्य के अभाव में जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त नहीं की जा सकती। मनुष्य का जीवन तन और मन के सहयोग से गतिशील होता है दोनों में से किसी एक का संतुलन बिगड़ जाने से व्यक्ति रुग्ण और कमजोर हो जाता है बाहरी बीमारियों का इलाज तो चिकित्सकों के पास है लेकिन कर्म जन्य दोष और बीमारियों का निराकरण तो मंत्र, स्तोत्र आदि जप साधना से किया जा सकता है। मुनिश्री ने कहा कि जीवन मे उत्साह की कमी, पुरुषार्थ का अभाव और आत्महीनता के भाव आदि सब मन के रोग हैं जिनका निदान भक्तामर स्तोत्र जप साधना से संभव हैं। सभा का संचालन मंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

सर्व मनोरथ सिद्धि प्रदाता है लोगस्स : मुनि दीपकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पल्लावरम क्षेत्र में स्थित तेरापंथ भवन में आचार्यश्री महाश्रमणजी के शिष्य मुनिश्री दीपकुमारजी के सान्निध्य में 'लोगस्स कल्प अनुष्ठान' का आयोजन जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, पल्लावरम के तत्वावधान में आयोजित हुआ। नमस्कार महामंत्र समुच्चारण से शुभारम्भ अनुष्ठान में सहभागी साधकों को लोगस्स का महत्व बताते हुए मुनिश्री दीपकुमारजी ने कहा कि लोगस्स तीर्थंकर स्तुति का महान मंत्र है। यह एक महाशक्ति है। भक्ति साहित्य की एक अमर, अलौकिक, रहस्यमयी और विशिष्ट रचना है। जैन समाज में इतना मान्य, लोकप्रिय है कि इसको अत्यन्त श्रद्धा एवं महत्त्व प्राप्त है। लोगस्स शाश्वत सुख का राजपथ है। आरोग्य, बोधि, समाधि, सिद्धि प्रदाता है। लोगस्स में भक्ति की भागीरथी प्रवाहित है। साधक जब इसका पाठ करता है, तो उसका हृदय भक्ति रस से आप्लावित हो जाता है। लोगस्स आगम वर्णित मंत्र गर्भित है। इसमें मंत्रों के अक्षरों की ऐसी अपूर्व और अनूठी संयोजना है की इसके स्तवन से सब मनोरथ सिद्ध होते हैं। लोगस्स में तीर्थंकरों की स्तुति से अनिष्ट, अमंगल नष्ट होते हैं। आंतरिक संताप, तनाव समाप्त होते हैं। लोगस्स का पाठ सप्तपदी मंत्र हैं। सात पद्यों की संख्या अपने आप में अनूठा रहस्य समेटे हुए हैं। मुनिश्री से लोगस्स प्रभाव के प्रसंगों को सुनकर साधक भक्ति रस से आप्लावित हो गए। मुनिश्री ने लोगस्स के विविध प्रयोगों के बारे में बताते हुए अनुष्ठान करवाया, जिसे उपस्थित जनमेदनी ने तन्मय बनकर सह-संगान किया।

जहाँ भी सद्गुण दिखे हमें उसे ग्रहण कर लेना चाहिए : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ यलहंका में विराजित आचार्यश्री हस्तीमलजी के शिष्य श्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में शनिवार को लोकेश मुनि जी ने कहा कि भगवान महावीर की अंतिम देशना जो उत्तराध्ययन सूत्र में लिखा गया हैं कि साधनामयी जीवन से ही उत्तम वृद्धावस्था का निर्माण हो सकता है।

जो जीव आरंभ, सारम्भ, हिंसा और प्रमाद में डूबा रहता हैं उसे मृत्यु भी बड़ी भयानक मिलती हैं। भगवान महावीर ने धर्म की परिभाषा को एक वाक्य में प्रस्तुत किया था और उसी एक वाक्य को आधार बना कर 28 आगमों की रचना की गई थी। संतश्री ज्ञानमुनि जी ने कहा कि कभी-कभी मांगने से कुछ नहीं मिलता लेकिन पूर्ण पुरुषार्थ और धैर्य रखने से मिल जाता हैं। जीवन में कभी भी निष्क्रिय या शांत नहीं रहना चाहिए, कुछ न कुछ कार्य करते रहना चाहिए, क्योंकि खाली दिमाग शैतान का घर होता है। गुण ग्रहण करने की क्षमता होनी चाहिए, जहाँ भी सद्गुण दिखे हमें उसे ग्रहण कर लेना चाहिए। जो व्यक्ति गुणी, ज्ञानी तपस्वी और साधक हो, उन्हें गुरु बनाना सबसे योग्य हैं। चाहे साधु साध्वी किसी भी पंथ के हो हमें उनसे सद्गुण ग्रहण कर साधना करनी चाहिए। संतश्री सौभाग्यमलजी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई और जयमल संप्रदाय के आचार्यश्री जीतमलजी की जयंती पर उनका गुणगान किया गया। संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने सभी का स्वागत किया एवं सभा का संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

चाहे जैसी भी स्थिति हो, अपनी भाषा न बदलें : डॉ. समकित मुनिजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा. ने रविवार को आयोजित 'सास-बहू दिवस' के अवसर पर अपने प्रवचन में कहा कि परिवार कई रिश्तों से बनता है और इनमें सास-बहू का रिश्ता बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। यह रिश्ता घर में शांति भी ला सकता है और अशांति भी फैला सकता है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर सास की बहू से कई अपेक्षाएं होती हैं, लेकिन बहू की सिर्फ एक ही अपेक्षा होती है कि सास ही न हो।

अपने प्रवचन में उन्होंने एक प्रेरणादायक कहानी सुनाई, एक बहू शादी के बाद ससुराल आई। सास ने उसे एक कीमती हीरे की अंगूठी उपहार में दी। कुछ दिनों बाद वह अंगूठी बहू से गलती से खो गई, पर उसने किसी को नहीं बताया। वह अंदर ही अंदर दुखी रहती, मायके जाकर भी यह बात नहीं बताई। एक महीने तक तनाव में रही। फिर उसके मायके से छोटा भाई आया ताकि बहन थोड़ी खुश हो जाए, पर बहू अब भी उदास ही रही। एक दिन बहन-भाई बातचीत कर रहे थे, तभी सास ने बहू के हाथ देखे और पूछा। बहू को लगा अब शामात आ गई है। सास ने अपने पर्स से वही अंगूठी निकालकर दी और बोली, पगली, ऐसी गलतियाँ हो जाती हैं। इसके लिए इतना तनाव लेने की क्या ज़रूरत थी?

डॉ. मुनिजी ने समझाया कि ज़िंदगी कई बार चक्रव्यूह जैसी हो जाती है, जिसमें फँसकर निकलना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा, ज़िंदगी में अपनों को अपना बनाए रखो। छोटी-छोटी बातों पर पता नहीं क्या-क्या सोचते रहते हैं हम। कई बार गलत सोच के साथ हमारी ज़ुबान तक आते-आते ही रिश्ता टूट जाता है।

डॉ. समकित मुनिजी ने आगे कहा कि चाहे जैसी भी परिस्थिति हो, अपनी भाषा पर नियंत्रण रखें, भाषा को न बिगड़ने दें। जो लोग छोटी बातों को खत्म कर लें, वही वास्तव में बड़े होते हैं।

कार्याध्यक्ष मिठालाल पगारिया, ज्ञानचंद बोकड़िया, महावीरचंद पगारिया और मंच संचालक विनयचंद पावेचा की विशेष उपस्थिति रही।

सच्चा उपासक वही जो दूसरों की गलतियों में दिलचस्पी नहीं लेवें

बेंगलूरु/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। स्थानीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि सच्चा उपासक वही होता है जो दूसरों की गलतियों में दिलचस्पी नहीं लेवे। पद प्रतिष्ठा एक नशा होता है और उत्तम पुरुष इस नशे से दूर रहते हैं। तीर्थंकर का पद सर्वोच्च होता है किंतु तीर्थंकर कभी अपने पद का अहंकार नहीं करते हैं। प्रवचन को प्रारंभ करते हुए साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने घर को स्वर्ग बनाने का पहला सूत्र बताते हुए कहा कि घर परिवार संघ समाज में आपसी विश्वास जरूरी है। शंका दीमक के समान रिश्तों को खोखला कर देती है। शंका मन का प्रदूषण है। मन की दीवारें घर में दीवारों का निर्माण करा देती हैं, इसलिए आज संयुक्त परिवार इतिहास बनते जा रहे हैं। परिवार में कम से कम सप्ताह में एक बार भजन और भोजन साथ में होना चाहिए। अधिकार और कर्तव्य दोनों की जानकारी होगी तो ही हम सद्गृहस्थ बन सकते है।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.